page 1 and 8 July 13_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/13/2026 1:53 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 नटरंग के चिल्ड्रन थिएटर कैंप-2026 का रंगारंग समापन,..

5 हीथर नाइट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया

8 वनों से ही नदियां रहेंगी सदानीरा : मुख्यमंत्री

मौसम जम्मू — न्यूनतम 22 — अधिकतम 34

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-174 | जम्मू तवी, सोमवार 13 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

युवा हमारे भविष्य के निर्माता हैं, बड़े सपने देखें और उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास करें : उपराज्यपाल

उपराज्यपाल ने लाल डेड साहित्य पुरस्कार समारोह में की शिरकत, डॉ. वैदेही तमन की पुस्तक 'लाल डेड- द मदर ऑफ कश्मीर' का किया लोकार्पण

श्रीनगर, 12 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज लाल डेड साहित्य पुरस्कार समारोह तथा डॉ. वैदेही तमन की नई पुस्तक 'लाल डेड- द मदर ऑफ कश्मीर' के लोकार्पण समारोह में भाग लिया। उन्होंने सम्मानित साहित्यकारों से लाल डेड, कबीर, नुंद ऋषि, गुरु नानक और तुलसीदास की कालजयी शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने कहा कि भारत के पूर्वजों ने विज्ञान और गहरे आध्यात्मिक मूल्यों के संतुलन के साथ राष्ट्र का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि वास्तविक प्रगति के लिए वैज्ञानिक सोच और आध्यात्मिक दृष्टि दोनों आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी समृद्ध आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक पहचान है, जो सदियों से एक जलती मशाल की तरह पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रही है। उन्होंने युवाओं से इस विरासत की ज्योति को कभी मंद न पड़ने देने की अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि इस समृद्ध धरोहर से नई पीढ़ी को प्रेरित किया जाए और जम्मू-कश्मीर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए युवाओं को स्पष्ट उद्देश्य दिया जाए।

उपराज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। युवा देश के भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने युवाओं से साधारण उपलब्धियों से संतुष्ट न रहने, बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति धैर्य, परिश्रम और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

उन्होंने कहा कि भारत बाहरी विकास के साथ-साथ आंतरिक आध्यात्मिक उन्नति को भी समान महत्व देता है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक की यात्रा यह दर्शाती है कि हमारी मूल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं आज भी जीवंत हैं और यही साझा विरासत पूरे देश को एक सूत्र में बांधती है।

उपराज्यपाल ने लेखकों, विचारकों और कलाकारों से इस आध्यात्मिक परंपरा को संरक्षित करने और समाज तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अतीत में लौटने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपनी विरासत की सत्यता, श्रेष्ठता और सौंदर्य का सम्मान करते हुए आधुनिक दुनिया के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजबूत जड़ों वाला वृक्ष ही तेज हवाओं में भी मजबूती से खड़ा रहता है और निरंतर विकास करता है।

जम्मू-कश्मीर का दर्जा बहाल करने को 20 जुलाई से दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन का नया दौर शुरू होगा : मुख्यमंत्री

जम्मू, 12 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को घोषणा की कि केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा बहाल करने में बिना किसी वजह की देरी के विरोध में 20 जुलाई से दिल्ली में केंद्र के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन का एक नया दौर शुरू होगा। राज्य का दर्जा देने को बार-बार सही समय तक टालने पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि आखिर वह सही समय क्या है और क्या इसका मतलब जम्मू-कश्मीर में भाजपा का सत्ता में आना है।

यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी ने इस उम्मीद में दो साल तक इंतज़ार किया कि केंद्र राज्य का दर्जा बहाल कर देगा। अब्दुल्ला ने कहा कि हमने केंद्र सरकार को काफी समय दिया है। लगभग दो साल तक हमने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए बातचीत की। अब हम एक नई रणनीति अपनाएंगे। उन्होंने पूछा कि अगर हमारे ही देश के किसी हिस्से से जुड़े फैसले हमारी अपनी राष्ट्रीय राजधानी में नहीं लिए जा सकते तो फिर वे कहां लिए जाएंगे? अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा ने जम्मू कश्मीर और विधानसभा में विरोध-प्रदर्शनों के ज़रिए राज्य का दर्जा दिलाने की उनकी कोशिशों को हमेशा कमज़ोर किया है और अब राजधानी में भी विरोध-प्रदर्शन करके वही कर रही है। उन्होंने कहा कि तो वे हमसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या हमें जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए अमेरिका जाकर व्हाइट हाउस के बाहर विरोध-प्रदर्शन करना चाहिए? हम बस यह मांग कर रहे हैं कि हमारे ही देश में किए गए वादे को हमारे ही देश की राजधानी में पूरा किया जाए।अब्दुल्ला ने सुप्रीम कोर्ट की उस बात का भी ज़िक्र किया, जिसमें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि ये मेरे शब्द नहीं हैं, ये सुप्रीम कोर्ट के शब्द हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्य का दर्जा न देकर जम्मू-कश्मीर के लोगों को सज़ा दे रही है। अब्दुल्ला ने कहा कि जब भी देश के सामने चुनौतियां आईं, जम्मू के लोग देश के साथ खड़े रहे। सीमावर्ती ज़िलों को गोलाबारी का सामना करना पड़ा और जम्मू ने उग्रवाद के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए अपने दरवाज़े खोले। लोगों ने ऐसा क्या अपराध किया है कि उन्हें राज्य का दर्जा देने से लगातार इनकार किया जा रहा है?

विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी ने इस उम्मीद में दो साल तक इंतज़ार किया कि केंद्र राज्य का दर्जा बहाल कर देगा। अब्दुल्ला ने कहा कि हमने केंद्र सरकार को काफी समय दिया है।

महात्मा गांधी का ज़िक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि बंटवारे के बाद हुई हिंसा के दौरान राष्ट्रपिता ने जम्मू-कश्मीर को सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बताया था। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या इस क्षेत्र को अब हिंदू-मुस्लिम-सिख एकता के आदर्शों को बनाए रखने के लिए सज़ा दी जा रही है। अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीकों से अपना अभियान तब तक जारी रखेगी जब तक जम्मू-कश्मीर को पूरी तरह से राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता। उन्होंने कहा कि हम अपने देश की राजधानी का दरवाज़ा खटखटाते रहेंगे। हम देश के नेतृत्व को जम्मू-कश्मीर के लोगों से किए गए वादों की याद दिलाते रहेंगे। हम बस यही चाहते हैं कि उन वादों को पूरा किया जाए।

सड़क मार्ग से जम्मू पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि वह दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के लिए लोगों से मंजूरी लेने के मकसद से सुबह 6 बजे श्रीनगर से निकले थे। अब्दुल्ला ने कहा कि बातचीत नाकाम होने के बाद हमें सड़कों पर उतरना पड़ा। 20 जुलाई का विरोध प्रदर्शन हमारी मांग के समर्थन में आंदोलन की शुरुआत होगी।

खबर संक्षेप

जम्मू को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए जम्मू स्टेट मूवमेंट का गठन

जम्मू, 12 जुलाई। जम्मू में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक, राजनीतिक संगठनों और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक में जम्मू स्टेट मूवमेंट के गठन की घोषणा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जम्मू को अलग राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से संयुक्त आंदोलन चलाया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जम्मू लंबे समय से विकास, रोजगार, उद्योग, व्यापार, पर्यटन, आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक प्राथमिकताओं से जुड़े कई मुद्दों की अनदेखी का सामना कर रहा है। उनका कहना था कि क्षेत्रीय हितों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिली, इसलिए अब संगठित होकर राज्य के दर्जे की मांग को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का समय आ गया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, कर्मचारी, व्यापारी और युवा संगठनों के साथ लगातार बैठकें कर आंदोलन का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत 13 जुलाई को सुबह 11:30 बजे तवी पुल स्थित महाराजा हरि सिंह जी की प्रतिमा स्थल पर जम्मू स्टेट मूवमेंट के बैनर तले औपचारिक रूप से आंदोलन का संकल्प लिया जाएगा और आगे की रणनीति की घोषणा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता मूवमेंट कल्कि के संस्थापक दीपक सिंह ने की। इस दौरान विभिन्न संगठनों और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने आंदोलन को शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया तथा जम्मू के सभी वर्गों से इस अभियान में शामिल होने की अपील की।

प्रशासनिक सुधार के तहत लद्दाख में गठित होंगी 17 नई तहसीलें, उपराज्यपाल की मंजूरी

लेह, 12 जुलाई। लद्दाख के उपराज्यपाल ने 17 नई तहसीलों के गठन को मंजूरी दी है। अब लद्दाख में तहसीलों की कुल संख्या 15 से बढ़कर 32 हो गई है। 2019 में लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से यह राजस्व प्रशासन के सबसे महत्वपूर्ण पुनर्गठनों में से एक है। आधिकारिक घोषणा के अनुसार यह पुनर्गठन इसलिए किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर राजस्व गांव एक ही तहसील से जुड़ा हो और हर तहसील एक ही ज़िले के अंतर्गत आए, जिससे पहले मौजूद प्रशासनिक और अधिकार-क्षेत्र संबंधी ओवरलैप (दोहराव) को खत्म किया जा सके। इस कदम से शासन व्यवस्था सुव्यवस्थित होने कार्यक्षमता बढ़ने और सरकारी सेवाओं को ज़्यादा सुलभ बनाने की उम्मीद है। नए प्रशासनिक ढांचे के तहत लेह ज़िले में पांच तहसीलें, करगिल में सात, चांगथांग में चार, नुब्रा में छह ज़ंस्कार में चार शाम में पांच और द्रास में एक तहसील होगी।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर कड़ा फोकस-आईजीपी भीम सेन की हाई लेवल बैठक, एजेंसियों को अलर्ट रहने के निर्देश

सांबा, 12 जुलाई। श्री अमरनाथ जी यात्रा के सुचारू और सुरक्षित संचालन को लेकर जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने जिला पुलिस मुख्यालय सांबा में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डीआईजी जम्मू-कठुआ-सांबा रेंज श्रीधर पाटिल, डीआईजी सीआरपीएफ अवधेश पाठक सहित जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान यात्रा मार्ग की सुरक्षा, एरिया डोमिनेशन, काफिला सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, एंटी-सबोटाज उपाय, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, खुफिया समन्वय और सुरक्षा बलों की तैनाती जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने मौजूदा सुरक्षा ग्रिड की समीक्षा करते हुए संभावित चुनौतियों का आकलन किया और यात्रा के दौरान उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखने पर जोर दिया।

आईजीपी भीम सेन टूटी ने सभी संबंधित एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय को मजबूत रखें, रियल-टाइम सूचना साझा करें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद होनी चाहिए ताकि यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी एजेंसियां मिलकर प्रभावी कंटिंजेंसी प्लानिंग पर काम करें ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

जम्मू चैंबर ने औद्योगिक विकास योजना पर एपेक्स कमेटी की बैठक का स्वागत किया

जम्मू, 12 जुलाई। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की पदाधिकारियों की बैठक में अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित जम्मू-कश्मीर औद्योगिक विकास योजना पर एपेक्स कमेटी की बैठक का स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा केंद्र एवं जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में लिए गए निर्णय केंद्र शासित प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति देंगे। अरुण गुप्ता ने कहा कि 1 अप्रैल 2021 को अधिसूचित नई केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत ?28,400 करोड़ का पैकेज 971 औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण के साथ लगभग पूरी तरह उपयोग हो चुका है। उन्होंने बढ़ती निवेशक रुचि को देखते हुए इस पैकेज को बढ़ाकर ?75,000 करोड़ करने और जीएसटी व प्लांट एवं मशीनरी लागत में हुई बचत के आधार पर अधिक औद्योगिक इकाइयों को योजना का लाभ देने की मांग की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रशासन के उस प्रस्ताव का भी समर्थन किया जिसमें लगभग 150 नई औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण और सभी औपचारिकताएं पूरी कर चुकी 570 लंबित आवेदनों को मंजूरी देने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्र सरकार के प्रयास सराहनीय हैं। चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि योजना को शीघ्र मंजूरी मिलने से मौजूदा और नई औद्योगिक इकाइयों को वर्ष 2037 तक प्रोत्साहन मिलेगा, बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और जम्मू-कश्मीर में औद्योगिकीकरण को नई गति मिलेगी।

न्यायालय की भव्यता नहीं, न्याय तक आसान पहुंच अधिक महत्वपूर्ण : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

-मुख्य न्यायाधीश ने मुख्यमंत्री के साथ गुरुग्राम में किया टॉवर ऑफ जस्टिस का लोकार्पण

गुरुग्राम, 12 जुलाई। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालयों का वास्तविक महत्व उनकी भव्यता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि वे नागरिक और न्याय के बीच की दूरी को कितना कम करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम का 'टॉवर ऑफ जस्टिस' इसी सोच का प्रतीक है और इससे न्यायिक क्षमता बढ़ने के साथ लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

रविवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गुरुग्राम में टॉवर ऑफ जस्टिस का उद्घाटन किया तथा वर्चुअल माध्यम से नूंह जिले के तावडू और पुन्हाना में नए न्यायिक परिसरों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा सहित कई न्यायाधीश एवं गणमान्य उपस्थित रहे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायिक परिसरों का निर्माण हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता और न्यायिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण से अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी और विशेष रूप से वाणिज्यिक विवादों तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी

आएगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता सदैव ऐसी न्याय व्यवस्था का निर्माण होनी चाहिए जो दक्ष भी हो और निष्पक्ष भी। न्याय में गति आवश्यक है, परन्तु वह कभी भी संवैधानिक मूल्यों की कीमत पर प्राप्त नहीं की जा सकती। इस परिसर में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा सुव्यवस्थित ज्यूडिशियल मालखाना जैसी सुविधाएँ भी विकसित की गई हैं। इस परियोजना की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर है जो उच्च न्यायालय के संरक्षण में संचालित होगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसी न्यायपालिका का निर्माण है जो आधुनिक हो, किन्तु मानवीय भी हो, तकनीकी रूप से उन्नत हो, किन्तु संविधान के मूल्यों में दृढ़ता से निहित भी और प्रत्येक वाद के पीछे छिपे मानवीय जीवन को समझने वाली संवेदनशील संस्था भी बनी रहे। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य मामलों का शीघ्र निस्तारण करना तो है ही उसके साथ, हमारा प्रयास यह भी होना चाहिए कि कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक अथवा प्रक्रियागत कठिनाइयों के कारण स्वयं को न्याय से वंचित न महसूस करे।

डीजी सीआईएसएफ ने अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा तैयारियों का लिया जायज़ा

श्रीनगर, 12 जुलाई। सीआईएसएफ के डायरेक्टर जनरल प्रवीर रंजन ने सुधीर कुमार एडीजी नॉर्थ और एम के यादव डीआएजी एन जेड -II के साथ पहलगाम के नुनवान बेस कैंप का दौरा किया।

इस दौरे के दौरान चल रही श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के लिए सुरक्षा इंतज़ामों का जायज़ा लिया गया। दौरे के दौरान तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनाती की योजनाओं, एक्सेस कंट्रोल के तरीकों, निगरानी सिस्टम, कम्युनिकेशन नेटवर्क, मेडिकल सपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल का बारीकी से आकलन किया गया।

इस दौरान डीजी ने अहम ऑपरेशनल जगहों का निरीक्षण किया जिनमें चेक पोस्ट कम्युनिकेशन सेंटर, क्यूआरटी , क्यूआएटी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम और सुरक्षा से जुड़ी दूसरी ज़रूरी जगहें शामिल थीं। उन्होंने तैनात जवानों, हेल्थ वर्कर्स और महिला कर्मियों से बातचीत की उनके समर्पण और काम के प्रति निष्ठा की तारीफ़ की। साथ ही उन्होंने यात्रा के दौरान ऑपरेशनल तैयारी के ऊँचे स्टैंडर्ड बनाए रखने, एसओपी का सख्ती से पालन करने लगातार सतर्क रहने और सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर ज़ोर दिया। डीजी ने सी आई एस एफ, सीआरपीएफ, आई टी बी पी, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के सीनियर अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों की समीक्षा के लिए एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता भी की। सभी कर्मियों के समर्पण की तारीफ़ करते हुए डीजी ने भरोसा जताया कि सुरक्षा बल श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 को सुचारू, सुरक्षित और बिना किसी घटना के संपन्न कराने में अपना योगदान जारी रखेंगे।

अमरनाथ धाम के लिए 11वें जत्थे में 9,153 से ज्यादा तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना

- अब तक 2.30 लाख से ज्यादा श्रद्धालु कर चुके हैं हिम शिवलिंग के दर्शन

जम्मू, 12 जुलाई। सालाना अमरनाथ यात्रा के लिए रविवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच 9,153 तीर्थयात्रियों का 11 वां जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। सुरक्षा कर्मियों और सिविल प्रशासन ने जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर तीर्थयात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित की। उनकी सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, ट्रैफ़िक कंट्रोल और लॉजिस्टिकल सपोर्ट के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि इस नए जत्थे में 2,345 महिलाएं और 18 बच्चे हैं। तीर्थयात्रियों का 11वां जत्था 359 गाड़ियों में सवार होकर कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के तहत दो अलग-अलग काफिलों में बेस कैंप से निकला। पहले काफिले में 3,429 तीर्थयात्री थे, जो सुबह 2:44 बजे गांदरबल ज़िले के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। दूसरे काफिले में 5,724 तीर्थयात्री थे, जो सुबह 3:35 बजे अनंतनाग ज़िले के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए निकले।

अधिकारियों के अनुसार इस साल तीर्थयात्रा में लोगों की भारी भागीदारी देखी गई है। 3 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से 2.30 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के अंदर प्राकृतिक रूप से बने बर्फ़ के शिवलिंग के दर्शन और पूजा-अर्चना की है। 57 दिनों तक चलने वाली यह सालाना तीर्थयात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन के त्योहार के साथ संपन्न होगी। अधिकारियों को उम्मीद है कि आने वाले हफ़्तों में भी तीर्थयात्रियों का आना जारी रहेगा।

विदेश मंत्रालय ने की जीएफएस गैलेक्सी जहाज पर हुए हमले की निंदा

नयी दिल्ली, 12 जुलाई। भारत ने ओमान तट के निकट वाणिज्यिक पोत जीएफएस गैलेक्सी पर हुए हमले की रविवार को कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पोत पर सवार 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय चालक दल का सदस्य अब भी लापता है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, हम आज तड़के ओमान के तट के पास वाणिज्यिक जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज पर सवार 11 भारतीय नागरिकों में से अब तक 10 को बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक के लापता होने की खबर है। मंत्रालय ने कहा कि ओमान में भारतीय दूतावास वहां के स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और लापता सदस्य की तलाश के लिए जारी खोज और बचाव अभियानों में सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। उन्होंने कहा, ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर पैनी नजर रख रहा है और जारी खोज व बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। हम उनके सहयोग के लिए ओमान के अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं। विदेश मंत्रालय ने हालांकि लापता भारतीय नागरिक की पहचान या इस हमले की परिस्थितियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी का खुलासा नहीं किया है। यह घटना पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच हुई है, जहाँ वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में समुद्री सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर गहरी चिंताएँ पैदा कर दी हैं। इस क्षेत्र में मालवाहक जहाजों को बार-बार निशाना बनाए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्रालय ने तनाव कम करने और राजनयिक बातचीत के जरिए मतभेदों को सुलझाने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की। मंत्रालय ने कहा, क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की लगातार हो रही घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। हम तनाव को तुरंत कम करने और एक कूटनीतिक समाधान के लिए जारी बातचीत को तार्किक अंत तक पहुंचाने की अपनी मांग दोहराते हैं, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता वापस आ सके। अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर अपने रुख को दोहराते हुए मंत्रालय ने जोर दिया कि क्षेत्रीय संघर्षों के दौरान नागरिक बुनियादी ढांचे और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। बयान में कहा गया, क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से मुक्त और बेरोकटोक नौवहन और व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए। भारत का यह ताजा बयान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर समुद्री व्यापार मार्गों में बाधाओं और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार वाणिज्यिक जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक है सिंगापुर

सुख, समृद्धि, संपन्नता, सफाई और सुगंध का पर्याय बन चुका सिंगापुर विश्व के श्रेष्ठ शहरों में से एक माना जाता है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख से ज्यादा सैलानी यहां घूमने-फिरने आते हैं। सिंगापुर धीरे-धीरे एक व्यावसायिक केन्द्र भी बनता जा रहा है। यहां पर विभिन्न देशों के लोग बस चुके हैं इनमें काफी भारतीय भी हैं। इसलिए यह आपको अपरिचित सा नहीं लगेगा।

अपने देश की तरह यहां न तो इधर-अधर केले का छिलका या पालिथीन का कोई थैला फेंकें और न ही किसी अन्य प्रकार से कोई गंदगी फैलाएं। जो व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है उसे आर्थिक दंड तो दिया ही जाता है, ऐसा करते हुए टीवी पर भी दिखाया जाता है।

सिंगापुर घूमना चाहते हैं तो आइए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं जूरोंग चिड़ियाघर। विश्व का शायद ही कोई ऐसा पक्षी होगा जिसे आप इस अति विस्तृत चिड़ियाघर में न देखें। यहां लगभग 7500 पक्षी हैं। इनमें से कई पक्षी ऐसे हैं जिनकी आप 8-10 प्रजातियां देख सकते हैं।

क्रोकोडायल फार्म में आप कई तरह के मगरमच्छ देख सकते हैं। यह फार्म जूरोंग चिड़ियाघर के पास ही स्थित है। नाइट सफारी भी एक चिड़ियाघर ही है। जो 45 हेक्टेयर में फैला हुआ है। जानवरों की प्रकृति के अनुरूप 8 भागों में बंटा यह चिड़ियाघर अपने नाम को सार्थक करता हुआ सिर्फ रात में ही खुला रहता है। इस चिड़ियाघर के अंदर घूमने के लिए ट्राम की सुविधा उपलब्ध रहती है। साथ ही साथ गाइड भी उपलब्ध रहता है जो विश्व के विभिन्न भागों से लाए गए तरह-तरह के इन जानवरों के बारे में जानकारियां देता रहता है।

मिंग विलेज भी देखने लायक जगह है। ज्यों-ज्यों मानव समाज आधुनिकता की तरफबढ़ रहा है, त्यों-त्यों ग्रामीण परिवेश और हस्तशिल्प की ओर उसका रुझान भी बढ़ रहा है। क्रोकोडायल फार्म के पास स्थित इस स्थान पर ऐसा ही ग्रामीण परिवेश है और ऐसे ही हस्तशिल्पी भी यहां हैं। ये लोग न सिर्फ अपने हाथों से चीजें बनाते हैं, बल्कि चीनी-मिट्टी के बर्तन वगैरह पर नक्काशी भी करते हैं।

सैंतोसा आइलैण्ड भी जरूर घूमने जाएं। यह सिंगापुर से कुछ दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। हालांकि यहां प्रवेश शुल्क देना पड़ता है लेकिन इसके अलावा कोई अन्य सेवा शुल्क नहीं लिया जाता। यहां का समुद्र तट काफी सुंदर और स्वच्छ है।

यहां का प्रसिद्ध अंडर वाटर वर्ल्ड एशिया का पहला और सबसे बड़ा कृत्रिम समुद्र है। यहां पर आपको सैंकड़ों तरह की मछलियां दिखेंगी, जिनमें सी ड्रैगन नामक एक मछली भी है। ये सारी मछलियां विश्व के अलग-अलग भागों से यहां लाई गई हैं। वोल्कैनोलैण्ड और तितलीघर भी देखने लायक जगह हैं।

किसी भी मौसम में जाएं लुभाता है रानीखेत

यदि आप प्रकृति के सभी अद्भूत नजारों का एक ही स्थान पर आनंद उठाना चाहते हैं तो गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए रानीखेत सबसे बेहतर विकल्प है। यहां दूर-दूर तक रजत मंडित सदृश हिमाच्छादित गगनचुंबी पर्वत, सुंदर घाटियां, चीड़ और देवदार के ऊंचे-ऊंचे पेड़, घना जंगल, फ्लों लताओं से ढके संकरे रास्ते, टेढ़ी-मेढ़ी जलधारा, सुंदर वास्तु कला वाले प्राचीन मंदिर, ऊंची उड़ान भर रहे तरह-तरह के पक्षी.....और शहरी कोलाहल तथा प्रदूषण से दूर ग्रामीण परिवेश का अद्भुत सौंदर्य आकर्षण का केन्द्र है।

मनोरम पर्वतीय स्थल रानीखेत समुद्र-तल से 1830 मीटर की ऊंचाई पर लगभग 25 वर्ग किलोमीटर में फैला है। कुमाऊं क्षेत्र में पड़ने वाले इस स्थान से लगभग 400 किलोमीटर लंबी हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखला का ज्यादातर भाग दिखता हैं। इन पर्वतों की चोटियां सुबह-दोपहर-शाम अलग-अलग रंग की मालूम पड़ती हैं।

इस पूरे क्षेत्र की मोहक सुंदरता का अनुमान कभी नीदरलैण्ड के राजदूत रहे वान पैलेन्ट के इस कथन से लगाया जा सकता है।'' जिसने रानीखेत को नहीं देखा, उसने भारत को नहीं देखा।'' कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पहले कोई रानी अपनी यात्रा पर निकली हुई थीं। इस क्षेत्र से गुजरते समय वह यहां के प्राकृतिक सौंदर्य से मोहित होकर रात्रि-विश्राम के लिए रुकीं। बाद में उन्हें यह स्थान इतना अच्छा लगा कि उन्होंने यहीं पर अपना स्थायी निवास बना लिया।

चूंकि तब इस स्थान पर छोटे-छोटे खेत थे, इसलिए इस स्थान का नाम 'रानीखेत' पड़ गया। अंग्रेजों के शासनकाल में सैनिकों की छावनी के लिए इस क्षेत्र का विकास किया गया। क्योंकि रानीखेत कुमाऊं रेजिमेन्ट का मुख्यालय है, इसलिए यह पूरा क्षेत्र काफी साफ-सुथरा रहता हैं। यहां का बाजार तो अद्भुत है। पहाड़ के उतार (यानी खड़ी चढ़ाई) पर बना हुआ। इसलिए इसे 'खड़ा बाजार' कहा जाता हैं।

घूमने के लिए सही समय

रानीखेत जाने व घूमने के लिए ठंड और बरसात का समय ठीक नहीं रहता। अत: बेहतर होगा कि आप वहां अप्रैल के प्रारंभ से जून के मध्य या सितंबर के मध्य से नवंबर के मध्य तक के समय में ही जाएं।

अगर आप हवाई जहाज से जाना चाहते हैं, तो पंतनगर के हवाई अड्डे पर उतरना पड़ेगा, क्योंकि यहां का भी निकटतम हवाई अड्डा वही हैं। वहां से रानीखेत की 119 किलोमीटर की दूरी टैक्सी वगैरह से तय करनी पड़ेगी। अगर आप रेलगाड़ी से यात्रा करना चाहते हैं, तो काठगोदाम स्टेशन तक जा सकते हैं, क्योंकि रानीखेत का निकटतम रेलवे स्टेशन वही हैं। वहां से रानीखेत की 84 किलोमीटर की दूरी परिवहन निगम की बस या टैक्सी से तय की जा सकती हैं।

दर्शनीय स्थल

उपत : रानीखेत में शहर से 5 किलोमीटर दूर (अल्मोड़ा जाने वाले रास्ते में) चीड़ के घने जंगल के बीच (6000 फुट की ऊंचाई पर) उपत नामक स्थान पर एक विश्वप्रसिध्द गोल्फ मैदान है। यहां प्राय: फिल्मों की शूटिंग होती रहती हैं। कोमल हरी घास का यह सुंदर मैदान नौ छेदों वाला हैं। ऐसा मैदान बहुत कम देखने को मिलता है। यहां खिलाड़ियों के रहने के लिए एक सुंदर बंगला बना हुआ है, जहां से दूर तक फैले हिमाच्छादित पवज़्तों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं।

हेड़ाखान मंदिर : अल्मोड़ा से 6 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान 'चिलियानौला' के नाम से भी जाना जाता हैं। अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण यह स्थान पिकनिक और ट्रैकिंग के लिए काफी उपयुक्त है। फूलों के सुंदर बाग के कारण यहां की रमणीयता और बढ़ जाती हैं। यहां पर साधु हेड़ाखान का मंदिर भी हैं।

हरबेरियम : प्रसिध्द वनस्पति-शास्त्री राम जी लाल द्वारा स्थापित इस हरबेरियम (वनस्पति संग्रहायल) में तरह-तरह की वनस्पतियों व जड़ी-बूटियों का अद्भुत संग्रह प्रदर्शनार्थ रखा गया हैं। पूरे भारत में यह अपनी तरह का एक अलग हरबेरियम हैं। चौबटिया- रानीखेत से 10 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एशिया का सबसे बड़ा फलों का बगीचा हैं। यहां दर्जनों तरह के फ्लों के पेड़ हैं, जिन्हें देखकर पर्यटक गद्द हो उठते हैं। यहां सरकार द्वारा स्थापित विशाल फ्ल संरक्षण केंद्र भी देखने लायक हैं। यह स्थान एक सुंदर पिकनिक स्थल भी हैं। इसके पास ही अगल-बगल तीन जल-स्त्रोत भी हैं, जो इस पूरे स्थान के प्राकृतिक वैभव को और अधिक बढ़ा देते हैं।

शीलतखेत : रानीखेत से 35 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान अब एक अच्छे पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित हो रहा हैं। यहां से हिमाच्छादित के सुंदर दृश्यों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से नीचे का नजारा अत्यंत लुभावना दिखता हैं।

कसौली ये वादियां ये फिजाएं

कसौली यानी हिमाचल प्रदेश का ऐसा हिल स्टेशन, जो अपनी खुशनुमा आबोहवा के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय है। प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला से भी अधिक ऊंचाई (3,647 मीटर) पर स्थित कसौली शिमला वाली भीड़ से तो दूर है ही, पल-पल में बदलने वाली यहां की हवा इसे और खास बना देती है। अपनी खूबियों के लिए टाइम मैगजीन में भी एशिया के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन का दर्जा पा लेने वाले कसौली है।

यहां देखते-देखते हवा बदलने लगती है और बादलों का समूह पलभर में ही धूप के नीचे छाकर बरस पड़ता है। दूसरे ही पल मौसम साफऔर चारों तरफसे तन-मन को रोमांचित करने वाली खुशनुमा हवा छूने लगती है। चाहे आप यहां के मंकी प्वाइंट पर हों या क्राइस्ट चर्च के बाहर, बस अड्डे पर हों या माल रोड पर, हनुमान मंदिर में हों या साईं बाबा मंदिर में, हर जगह पल भर में मन को तारोताजा कर देने वाली मनमोहक हवा आपको रोमांच से भर देगी। बल्कि यूं कहें कि कसौली पहुंचने से दो-तीन किलोमीटर पहले से आपको कसौली के क्षेत्र में प्रवेश करने का अहसास हो जाएगा। जी हां, ऐसा है हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित हिल स्टेशन कसौली का जादू। यूं तो यहां लोग साल भर आते रहते हैं, लेकिन अप्रैल से जून और सितम्बर से नवम्बर के बीच यहां अधिक पर्यटक आते हैं। इस बीच कसौली के मौसम के अनेक रंग देखने को मिल जाते हैं। कभी थोड़ी धूप, कभी थोड़े बादल और कभी हल्की-हल्की बारिश की बूंदें। यहां के पेड़-पौधों पर इस मौसम का जो रंग चढ़ता है, उसे फूल-पत्तों पर महसूस किया जा सकता है। बर्फ का आनन्द उठाने की चाह रखने वाले पर्यटकों को यहां दिसम्बर से फरवरी के बीच होने वाली ओस जैसी बर्फकी बारिश खूब गुदगुदाती है। लेखक-कलाकार को तो यहां बारिश का मौसम (जुलाई-अगस्त) और भी ऊंची उड़ानें भरने के लिए प्रेरित करता है।

कसौली के नाम के बारे में कई कहानियां हैं। इसके लिए हमें 17वीं शताब्दी में जाना पड़ता है। कहा जाता है कि रेवाड़ी के कुछ राजपूत परिवार हिमालय की तलहटी में बसे कसुल नामक छोटे-से गांव में आ बसे थे। बाद में यही गांव समय के साथ कसौली के रूप में स्थापित हो गया। दूसरी कहानी के अनुसार, जाबली के पास कौसल्या नामक एक पहाड़ी जलधारा है। इस कारण इस जगह का नाम कसौली पड़ा। इस जगह के नाम के चाहे जितने किस्से हों, लेकिन विशेषताओं की चर्चा एक ही है और वह है एक बेहद आकर्षक हिल स्टेशन, जहां बीमारी के बाद लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए जाते हैं और जहां की हवा रचनात्मक लोगों को रचना कर्म के लिए प्रेरित करती रहती है। शायद यही वजह थी कि अंग्रेजों ने इसे हिल स्टेशन के रूप में व्यवस्थित रूप से विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

यहां आने वाले पर्यटकों में यहां की कुछ प्रमुख जगहें आकर्षण का केन्द्र बनी रहती हैं। इनमें कसौली की सबसे ऊंची जगह मंकी प्वाइंट, मंकी प्वाइंट पर बना हनुमान मंदिर, कसौली के कोलोनियल आर्किटेक्ट की मिसाल क्राइस्ट बैप्टिस्ट चर्च, बाबा बालक नाथ मंदिर, शिरडी साईं बाबा मंदिर, एयरफोर्स गार्ड स्टेशन, एशिया का सबसे ऊंचा टीवी टावर और नजदीक ही सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल, पाइनग्रोव स्कूल, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल जैसे प्राचीन स्कूल हैं, जो 100 साल से भी अधिक पुराने हैं। मंकी प्वाइंट यहां की सर्वाधिक लोकप्रिय जगह है। कहते हैं कि भगवान हनुमान ने लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने जाते वक्त छलांग के पूर्व कसौली के इस प्वाइंट पर कदम रखे थे। कसौली के सबसे ऊंचे इस प्वाइंट पर हनुमान मंदिर भी है, जहां श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रहती है। मनोरम दृश्यों के दीवानों को यहां से कसौली की वादियों का नजारा देख कर रोमांचित होते खूब देखा जा सकता है।

यहां अंग्रेजों द्वारा 1880 में स्थापित कसौली क्लब भी अपने आप में एक देखने की जगह है। देश के नामचीन क्लबों में शामिल इस क्लब की सदस्यता के लिए 20 सालों की वेटिंग चलती है।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : कसौली का नजदीकी हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है, जो कसौली से 65 किलोमीटर है। दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए दिन भर में अनेक उड़ानें हैं। इंडियन एयरलाइन्स, किंगफिशर, जेट एयर, जेट लाइट की उड़ानें प्रतिदिन हैं।

रेल मार्ग : दिल्ली से कालका के लिए दिनभर में पांच गाड़ियां हैं। हिमालयन क्वीन, कालका शताब्दी, पश्चिम एक्सप्रेस और हावड़ा-दिल्ली-कालका मेल से आप कालका तक पहुंच सकते हैं। उसके आगे कालका से शिमला लाइन पर आप धर्मपुर स्टेशन तक ट्रेन से जा सकते हैं। चाहे कालका शिमला पैसेंजर लें या कालका शिमला एक्सप्रेस या अन्य गाड़ियां, पहाड़ियों की खूबसूरती का नजारा करते हुए आप लगभग डेढ़ घंटे में (लगभग 33 किलोमीटर) धमज़्पुर पहुंच जाएंगे। वहां से हिमाचल रोडवेज की बस या टैक्सी लेकर कसौली तक की 12 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं।

सड़क मार्ग: दिल्ली से कसौली की दूरी 264 किलोमीटर है। चंडीगढ़ और कालका से यह क्रमश: 67 व 35 किलोमीटर है। दिल्ली से कश्मीरी गेट बस अड्डे से हिमाचल रोडवेज की बस लेकर धर्मपुर तक पहुंच सकते हैं। वहां से लोकल बस और टैक्सियां मिल जाएंगी। चंडीगढ़ से भी नियमित बसें हैं।

कहां ठहरें

कसौली की लोकप्रियता को देखते हुए यहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था का अंदाजा लगा सकते हैं। यहां दर्जनों अच्छे होटल, रिजॉर्ट, गेस्ट हाउस हैं। हिमाचल टूरिज्म का भी एक हेरिटेज होटल है, जिसका नाम है द रोज कॉमन। यहां डीबीआर (डबल बेडरूम) डीलक्स का चार्ज 2200 रुपए है, जबकि डीबीआर कोजी डीलक्स का 2500 व कसौली सूइट्स का चार्ज 3500 रुपए है। यहां चार बिस्तरों वाले भी दो कमरे हैं, जिनका किराया प्रति कमरा 2000 रुपए है। सीजन में बुकिंग कम-से-कम एक महीना पहले करानी चाहिए। इसके अलावा होटल शिवालिक, होटल आंचल, होटल ब्रॉडवे, सूर्य रॉक रोज रिजॉर्ट, बैकुंठ रिजॉर्ट, द ब्लिस रिजॉर्ट, बर्डस व्यू रिजॉर्ट, हेमकुंठ रिजॉर्ट, ब्लॉसम रिजॉर्ट, कसौली कैसल रिजॉर्ट, कसौली रीजेंसी आदि प्रमुख हैं। यहां अनेक होम स्टे भी हैं, जहां सस्ते कमरे मिल जाते हैं। कसौली और उसके आसपास ही एक दर्जन से अधिक होम स्टे हैं, जो हिमाचल टूरिज्म द्वारा पंजीकृत हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

सीएमओ ने पीएचसी अस्सर का किया औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं और स्टाफ की कार्यप्रणाली का लिया जायजा

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कर्मचारियों की समयपालन व्यवस्था और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के सुचारु संचालन का आकलन करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. विनोद शर्मा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) अस्सर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न अनुभागों का दौरा कर कर्मचारियों की उपस्थिति, आधिकारिक अभिलेखों तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। निरीक्षण के समय ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मचारी उपस्थित मिले और अपने निर्धारित कार्यों का निर्वहन करते पाए गए।

डॉ. विनोद शर्मा ने स्वास्थ्य कर्मियों से बातचीत करते हुए समय की पाबंदी, अनुशासन और समर्पण के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल में आए मरीजों से भी बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में प्रत्यक्ष फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी अस्सर डॉ. सैयद मोहम्मद इस्माइल तथा चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिवम भी मौजूद रहे। उन्होंने सीएमओ को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के संचालन और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी

श्री बुड्ढा अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा, श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं देने पर जोर

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। उपायुक्त पुंछ अशोक कुमार शर्मा ने रविवार को मंडी स्थित श्री बुड्ढा अमरनाथ जी मंदिर परिसर के सभागार में आगामी श्री बुड्ढा अमरनाथ जी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की। बैठक में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि पिछले वर्षों में यात्रा के दौरान सामने आई कमियों को इस बार दूर किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस और सभी संबंधित विभागों द्वारा हर वर्ष यात्रा के सफल आयोजन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

बैठक में यात्रा के सुचारु एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर सड़क संपर्क, पेयजल, बिजली, स्वच्छता, शौचालय, लंगर, वाहन पार्किंग, सुरक्षा, चिकित्सा सेवाएं, श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भी अपने सुझाव रखे। उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा ने सभी संबंधित विभागों को यात्रा शुरू होने से पहले आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने कहा कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से यात्रा का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शफकत हुसैन भट ने यात्रा के दौरान व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए जाने का भरोसा दिलाते हुए आम जनता से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त ताहिर मुस्तफा मलिक, सहायक आयुक्त राजस्व मोहम्मद सईद, जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी, श्री बुड्ढा अमरनाथ प्रबंधन समिति के सदस्य तथा मंडी क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति और आध्यात्मिक अवस्थाओं का किया विस्तृत विवेचन, आत्मा की शुद्ध अवस्था को बताया जीवन का अंतिम लक्ष्य

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के राँजड़ी में आयोजित सत्संग के दौरान साहिब बंदगी के सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन का सबसे बड़ा ज्ञान आत्मज्ञान है और इसके बिना मनुष्य अज्ञान के बंधन में ही जीवन व्यतीत करता है। उन्होंने कहा कि यह संसार भ्रम और मोह से भरा हुआ है तथा आत्मा पंचभौतिक शरीर सहित विभिन्न अवस्थाओं में बंधी रहती है।

अपने प्रवचन में उन्होंने जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति (नींद), महाकारण, समाधि, कैवल्य, तुरीया और तुरीयातीत जैसी आध्यात्मिक अवस्थाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल स्थूल शरीर तक सीमित नहीं है बल्कि सूक्ष्म और अन्य चेतनात्मक अवस्थाओं से भी जुड़ा हुआ है। नींद को अज्ञान की अवस्था बताते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने जीवन का बड़ा हिस्सा इसी अवस्था में व्यतीत करता है और इस दौरान भी सुख-दुख का अनुभव करता है।

सद्गुरु ने कहा कि योग और साधना के माध्यम से मन तथा श्वास पर नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है जिससे चेतना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक साधना की विभिन्न अवस्थाओं में अनेक अनुभूतियाँ और सिद्धियाँ प्राप्त हो सकती हैं लेकिन इनसे आगे बढ़कर आत्मा की शुद्ध अवस्था तक पहुँचना ही वास्तविक लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि संतों की अवस्था सभी मानसिक और आध्यात्मिक अवस्थाओं से परे होती है। वहीं आत्मा अपने शुद्ध स्वरूप में स्थित होती है और वही वास्तविक मुक्ति तथा परम सत्य का अनुभव है। सत्संग के अंत में संगत ने सद्गुरु के आध्यात्मिक संदेशों को श्रद्धापूर्वक सुना और आत्मचिंतन तथा आध्यात्मिक साधना के महत्व को अपनाने का संकल्प लिया।

पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत नशा तस्कर साजिद हुसैन गिरफ्तार

कठुआ, 12 जुलाई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने एक आदतन नशा तस्कर को पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जिला जेल भद्रवाह में बंद कर दिया है।

पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में 11 जुलाई को थाना हीरानगर की पुलिस टीम ने उक्त वारंट को अंजाम दिया।

आरोपी की पहचान साजिद हुसैन पुत्र जुनैद अली निवासी गढ़ा कमाड तहसील हीरानगर के रूप में हुई है जो मादक पदार्थों की तस्करी और परिवहन के मामलों में लिप्त रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से दो मामले दर्ज हैं जिनमें थाना राजबाग का एफआईआर नंबर 124/2025 तथा थाना हीरानगर का एफआईआर नंबर 41/2026 शामिल हैं। आरोपी की आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसके खिलाफ डोजियर तैयार कर डिविजनल कमिश्नर जम्मू को भेजा गया था जिसके आधार पर पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट 1988 के तहत निरोधात्मक वारंट जारी किया गया।

नटरंग के चिल्ड्रन थिएटर कैंप-2026 का रंगारंग समापन, दो नाटकों ने दर्शकों को दिया सामाजिक संदेश

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। नटरंग के चिल्ड्रन थिएटर कैंप का रविवार को अभिनव थिएटर जम्मू में आयोजित भव्य रंगमंचीय समारोह के साथ समापन हुआ। समापन अवसर पर बच्चों ने दो नाटकों—फद सीड्स वी सोफ और फमेरे हिस्से की धूप कहाँ हैफ—की प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जम्मू के निदेशक प्रो. बी.एस. सहाय थे। मुख्य अतिथि प्रो. सहाय ने नटरंग की सराहना करते हुए कहा कि संस्था पिछले कई वर्षों से रंगमंच के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को निखारने का सराहनीय कार्य कर रही है और जम्मू को देश के प्रमुख रंगमंचीय केंद्रों में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस अवसर पर नटरंग के निदेशक बलवंत ठाकुर ने बताया कि संस्था वर्ष 1990 से बच्चों के लिए थिएटर कैंप आयोजित कर रही है जिनके माध्यम से हजारों बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रभावी संवाद कौशल का विकास हुआ है।

कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित सुमीत शर्मा द्वारा लिखित एवं निर्देशित द सीड्स वी सो रही। नाटक में भारतीय लोककथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मनुष्य के प्रत्येक कर्म का प्रभाव भविष्य और समाज पर पड़ता है। अभिनय, संगीत और नृत्य से सजी इस प्रस्तुति ने दया, ईमानदारी, जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया। नाटक में नवधा प्रशेर, श्रानया महाजन, कौस्तुभ शर्मा, सनातन गुप्ता सहित अनेक बाल कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सेना के महिला चिकित्सा शिविर में 92 महिलाओं ने उठाया लाभ

पुंछ, 12 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने स्थानीय लोगों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को पुंछ जिले के चिट्टी बिट्टी क्षेत्र में महिला चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्देश्य महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ महिला स्वास्थ्य, निवारक देखभाल और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया और स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श तथा विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञ सलाह का लाभ उठाया। चिकित्सा दल का नेतृत्व 169 मिलिट्री अस्पताल की एक सैन्य नर्सिंग अधिकारी ने किया जिन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।

लखनपुर से जम्मू तक सुरक्षा चाक-चैबंद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लखनपुर यात्री सुविधा केंद्र का लिया जायजा

कठुआ, 12 जुलाई (हि.स.)। श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के मद्देनजर जम्मू जोन के आईजीपी, डीआईजी जेएसके रेंज सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लखनपुर यात्री सुविधा केंद्र का दौरा कर सुरक्षा एवं यात्री सुविधा व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा सहित जिला प्रशासन और पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने लखनपुर यात्री सुविधा केंद्र का दौरा कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा समय पर और सुचारू रूप से उपलब्ध कराई जाए ताकि यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित बनी रहे। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्री सुविधा केंद्र में रुके अमरनाथ यात्रियों से बातचीत भी की। उन्होंने यात्रियों से यात्रा के दौरान मिल रही सुविधाओं जैसे आवास, भोजन, पेयजल, चिकित्सा सेवाएं और सुरक्षा व्यवस्थाकृके बारे में जानकारी ली। यात्रियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए अपने अनुभव साझा किए जिस पर अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जाएगा। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश देते हुए कहा कि यात्रा मार्ग पर चैकसी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासनिक विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने, ट्रैफिक प्रबंधन को सुचारू रखने तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि श्री अमरनाथ जी यात्रा देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है इसलिए यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और जिला प्रशासन मिलकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

श्रीराम मंदिर ओल्ड मंडी पहुंचे शिवसेना हिंदुस्तान नेता, संतों के लिए राशन उपलब्ध कराने की उठाई मांग

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान का एक प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजेश केसरि के नेतृत्व में रविवार को जम्मू के ओल्ड मंडी स्थित श्रीराम मंदिर पहुंचा जहां चल रही श्री अमरनाथ यात्रा के संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान पंडित राजेश केसरि ने महामंडलेश्वर श्री 1008 रमेश्वर दास जी महाराज द्वारा वर्ष 1982 से लगातार संतों और अमरनाथ यात्रियों की सेवा में दिए जा रहे योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर में यात्रियों और संतों के लिए आवास, भोजन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की निःस्वार्थ व्यवस्था की जाती है जिससे यह मंदिर देशभर में अपनी सेवा परंपरा के लिए पहचान बना चुका है। पंडित केसरि ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले वर्षों में सरकार की ओर से संतों की सेवा के लिए मंदिर को आटा, चावल और चीनी जैसी आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाती थी लेकिन इस वर्ष अब तक राशन उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए जम्मू-कश्मीर सरकार, विशेषकर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री से मांग की कि संतों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए आवश्यक खाद्यान्न सामग्री शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। कार्यक्रम के दौरान शिवसेना हिंदुस्तान के पदाधिकारियों और संतों ने बम-बम भोले के जयघोष लगाए तथा श्री अमरनाथ यात्रा के शांतिपूर्ण एवं सफल संचालन के लिए प्रार्थना की।

एसएमवीडीयू में यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

जम्मू, 12 जुलाई (हि स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू), कटड़ा के यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (यूएचवी) सेल और अकादमिक मामलों के अनुभाग के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) तथा पीएम-उषा के सहयोग से यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (यूएचवी-2) विषय पर तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के बीच मानवीय मूल्यों की समझ और उनके व्यवहारिक अनुप्रयोग को मजबूत बनाकर उच्च शिक्षा में मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीन अकादमिक मामलों एवं विश्वविद्यालय के यूएचवी समन्वयक प्रो. (डॉ.) बलबीर सिंह के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने शिक्षा में नैतिक मूल्यों, जिम्मेदार नागरिकता और सामंजस्यपूर्ण जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रगति कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज को अपने शिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाकर विद्यार्थियों को नैतिक, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित करें कार्यक्रम के दौरान एआईसीटीई के यूएचवी रिसोर्स पर्सन जितेंद्र नरूला ने आत्म-अन्वेषण, व्यक्ति, परिवार, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य, नैतिक आचरण तथा व्यावसायिक नैतिकता जैसे विषयों पर व्याख्यान, समूह चर्चा और व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से संवादात्मक सत्र आयोजित किए। इनमें एसएमवीडीयू सहित देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें शिक्षण और मार्गदर्शन में मूल्य आधारित दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. मधु मंगल, डॉ. शफाक रसूल, डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. अमित सिन्हा, डॉ. भारत भूषण जिंदल, डॉ. अनिल भारद्वाज और डॉ. सनी कुमार शर्मा ने प्रो. (डॉ.) बलबीर सिंह के मार्गदर्शन में किया। विश्वविद्यालय ने एआईसीटीई, पीएम-उषा, संसाधन विशेषज्ञ, प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मूल्य आधारित और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जम्मू में कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्य का दर्जा बहाल करने और विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला के नेतृत्व में जम्मू के रामपुरा से नई बस्ती तक विरोध मार्च निकाला।

प्रदर्शन में डीसीसी जम्मू शहरी के अध्यक्ष योगेश साहनी, मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा, वरिष्ठ नेता ठाकुर मनमोहन सिंह, जम्मू दक्षिण प्रभारी अमृत बाली सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राम मंदिर ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने, ट्रस्ट का प्रबंधन संतों और शंकराचार्यों को सौंपने, नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने तथा बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की।

सभा को संबोधित करते हुए रमन भल्ला ने कहा कि कांग्रेस जनता के अधिकारों, शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी पिछले दो वर्षों से राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन चला रही है और इस मुद्दे पर सड़क से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक आवाज उठाती रहेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि अन्य राजनीतिक दल भी इस मांग का समर्थन कर रहे हैं तो यह सकारात्मक कदम है। डीसीसी जम्मू शहरी के अध्यक्ष योगेश साहनी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े आरोपों की उच्चस्तरीय जांच कराने, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा जम्मू-कश्मीर को शीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग दोहराई। कार्यक्रम को मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा, ठाकुर मनमोहन सिंह, अमृत बाली, अजय लाखोत्रा, विजय शर्मा, द्वारका चौधरी, सतीश शर्मा और अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

संपादकीय

जलाशयों पर चेतावनी बोर्ड समय की जरूरत

जम्मू-कश्मीर के अखनूर उपमंडल के जौरियां क्षेत्र के चक्क भगवाना गांव में तालाब में नहाने के दौरान तीन मासूम बच्चों की डूबने से हुई दर्दनाक मौत एक बार फिर इस कड़वी सच्चाई को सामने लाती है कि केंद्र शासित प्रदेश के अनेक जलाशय आज भी खामोश मौत के जाल बने हुए हैं।

इस तरह की घटनाएं पीड़ित परिवारों के लिए असहनीय होती हैं, लेकिन सबसे दुखद पहलू यह है कि यदि पर्याप्त सुरक्षा उपाय और जनजागरूकता होती तो ऐसी अधिकांश घटनाओं को रोका जा सकता था। इस मामले में मृत बच्चों की उम्र 7, 10 और 12 वर्ष थी। यदि उनके साथ कोई अभिभावक मौजूद होता तो संभवतः यह हादसा टाला जा सकता था।

जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक विविधता के कारण यहां बड़ी संख्या में तालाब, नाले, नहरें, नदियां तथा प्राकृतिक एवं मानव निर्मित जलाशय मौजूद हैं। इनमें से कई जल स्रोत आबादी वाले क्षेत्रों, स्कूलों और कृषि भूमि के समीप स्थित हैं, जहां विशेषकर गर्मियों के दौरान बच्चे खेलने और नहाने के लिए अक्सर पहुंचते हैं। चिंता की बात यह है कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों, हाल ही में तवी नदी सहित, लगातार सामने आ रही डूबने की घटनाओं के बावजूद अधिकांश जलाशयों पर सुरक्षा संबंधी बुनियादी व्यवस्थाओं का अभाव है।

अधिकांश स्थानों पर ऐसे चेतावनी बोर्ड तक नहीं लगे हैं जो लोगों को पानी की गहराई, अचानक गहराई बढ़ने वाले स्थानों, तेज बहाव, फिसलन भरे किनारों अथवा अन्य संभावित खतरों के बारे में आगाह कर सकें।

सुरक्षा ढांचे की यह कमी विशेष रूप से युवाओं और बच्चों के लिए दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन रही है। यह स्थिति उन पर्यटकों और बाहरी लोगों के लिए भी जोखिमपूर्ण है जो स्थानीय जलाशयों की प्रकृति और उनसे जुड़े खतरों से परिचित नहीं होते। केंद्र शासित प्रदेश में लगातार सामने आ रही डूबने की घटनाओं को देखते हुए अब सरकार को सभी सुलभ जलाशयों पर स्पष्ट और प्रभावी चेतावनी बोर्ड लगाने को केवल एक औपचारिक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानना चाहिए।

सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक ऐसे जलाशय पर पानी की गहराई, संभावित खतरे, जहां आवश्यक हो वहां स्नान अथवा तैराकी पर प्रतिबंध, तथा आपातकालीन संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं। ये छोटे लेकिन प्रभावी कदम अनेक लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जागरूकता ही सुरक्षा की सबसे बड़ी कुंजी है और इस प्रकार के उपायों से ऐसी दुखद घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

इसके साथ ही अभिभावकों और संरक्षकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। बच्चों को जलाशयों के आसपास बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। हालांकि इस दिशा में सरकार का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम सभी जलाशयों पर सुरक्षा संबंधी चेतावनी बोर्ड स्थापित करना होना चाहिए, क्योंकि यही बोर्ड लोगों को समय रहते खतरे से सचेत कर सुरक्षित रहने का मार्ग दिखा सकते हैं।

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक भोजन जरूरी

मौजूदा समय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता देखने में आ रही है। स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ भोजन भी पौष्टिक होना चाहिए।

आखिर मनुष्य ने ही जंगलों से तरह-तरह की फसलों के गुणधर्मों की पहचान कर खेतों में उन्हें उगाया है और इसी के परिणामस्वरूप आज हम बीजों के मामले में समृद्ध हैं। लेकिन आज हम देशी बीजों की संपदा खोते जा रहे हैं, इसी को संजोने व संवारने का प्रयास जन स्वास्थ्य सहयोग में किया जा रहा है।

मौजूदा समय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता देखने में आ रही है। स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ भोजन भी पौष्टिक होना चाहिए। प्राकृतिक और बिना रासायनिक खेती से यह संभव है। इन दिनों चिकित्सक भी इसकी सिफारिश करते हैं। इसी के मद्देनजर प्राकृतिक व जैविक खेती बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाती है। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक खेती का बहुत ही अच्छा प्रयोग किया जा रहा है। मैं यहां कई बार जाता रहता हूं। यहां की फसलें देखी हैं, किसान कार्यकर्ताओं, और डॉक्टरों से बातचीत की है। आज इस खेती के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे हम देशी खेती के बारे में समग्रता से समझ सकें।छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक छोटा सा कस्बा है गनियारी। यहां का जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का अस्पताल है, जहां बीमारी के इलाज के साथ उसकी रोकथाम पर जोर दिया जाता है। स्वस्थ रहने के लिए लोगों को अच्छा भोजन मिले इसके लिए कृषि कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

बिलासपुर जिले के कई गांवों में किसान जैविक खेती से धान पैदावार बढ़ा रहे हैं। जब वर्ष 2000 में जन स्वास्थ्य सहयोग नामक गैर सरकारी संस्था ने बिलासपुर जिले में स्वास्थ्य का काम शुरू किया और अपने अध्ययन के दौरान यह पाया कि ज्यादातर बीमारियों का संबंध कुपोषण से है तब संस्था ने अपना कृषि कार्यक्रम शुरू किया। जन स्वास्थ्य सहयोग ने अपने एक डेढ़ एकड़ की भाठा (कमजोर) ज़मीन पर बिना रासायनिक वाली जैविक खेती शुरूआत की, जो अब साढ़े चार एकड़ में फैल चुकी है।आज यहां धान की 4 सौ ज्यादा किस्में संग्रहीत हैं जिनमें सुगंधित लाल चावल वाली, जल्द पकने वाली, किस्में काले चावल की हैं। इसके अलावा मडिया, कांग, कुटकी, ज्वार, मक्का और अरहर की किस्में हैं। चना, अलसी, कुसुम, मटर, भिंडी, उड़द आदि देशी किस्में भी हैं।

यह रंग-बिरंगे देशी बीज न केवल सौंदर्य से भरपूर हैं बल्कि स्वाद में भी बेजोड़ हैं। औषधि गुणों से सम्पन्न हैं और स्थानीय मिट्टी पानी और हवा के अनुकूल हैं।आखिर मनुष्य ने ही जंगलों से तरह-तरह की फसलों के गुणधर्मों की पहचान कर खेतों में उन्हें उगाया है और इसी के परिणामस्वरूप आज हम बीजों के मामले में समृद्ध हैं। लेकिन आज हम देशी बीजों की संपदा खोते जा रहे हैं, इसी को संजोने व संवारने का प्रयास जन स्वास्थ्य सहयोग में किया जा रहा है।

गनियारी में एक-दो डिसिमल की छोटी-छोटी क्यारियों में देशी धान का प्रयोग करीब डेढ़ दशक से चल रहा है। मैं कई बार इस फार्म को देख चुका हूं और इसके प्रमुख कार्यकर्ता होम प्रकाश से चर्चा की है। होम प्रकाश ने बताया कि धान की कई किस्में हैं जिनमें हरून धान 70 से 100 दिन वाली, मध्यम 100 से 120 दिन वाली और गहरून 120 से 145 दिन वाली हैं। जो अलग-अलग किस्म की मिट्टी वाली ज़मीन में होती हैं।मैं हाल ही में अप्रैल के महीने में यहां गया था, तब गर्मी में कुटकी और मड़िया की फसल लहलहा रही थी। हालांकि यह बारिश की फसलें हैं, लेकिन यहां गर्मी में बोने का प्रयोग किया जा रहा है। यहां के खेती के कार्यकर्ता कहते हैं कि कई बार बारिश में ज्यादा पानी से यह फसलें सड़ जाती हैं, क्योंकि इन्हें कम पानी की जरूरत है। इसलिए गर्मी में यह फसलें अच्छी होती हैं। यह गर्मी के धान का अच्छा विकल्प हो सकती हैं।कृषि कार्यक्रम के कार्यकर्ता ओमप्रकाश साहू हैं। चूंकि वे खुद और उनकी पत्नी खेत में काम करते हैं, इसलिए उन्हें खेती की अच्छी जानकारी है। ये अरहर उत्तर प्रदेश से आई है, मडिया बस्तर से। कुसुम से तेल निकलता है और काबुली चना का दाना बड़ा होता है। धान की कई किस्में सुगंधित हैं और कई बिना पानी वाली। मुंगलानी (राजगीर) पौष्टिक होता है और ज्वार की रोटी हाजमे के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है।

वे बताते हैं खेती के लिए ज़मीन का स्वास्थ्य भी सुधारना जरूरी है। रासायनिक खेती के कारण ज़मीन की उर्वरा शक्ति कमजोर होती जा रही है और उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु खत्म होते जा रहे हैं। बेजा रासायनिक खाद के इस्तेमाल से ज़मीन सख्त होती जा रही है। भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए मिश्रित फ़सलों को खेतों में बोया जाता है। यह परंपरागत तरीका है। देश के कई इलाकों में अलग-अलग तरह की मिश्रित फसलें होती हैं। बारहनाजा, नवदान्या और उतेरा आदि पद्धति अलग-अलग जगह प्रचलित है।

इसके अलावा, हरी खाद ढनढनी, सन, सोल, चरौरा को भी बोकर फिर मिट्टी में सड़ा दिया जाता है, जिससे ज़मीन उत्तरोत्तर उर्वर बनती जाती है। उन्होंने बताया कि इस भाठा कमजोर ज़मीन को हरी खाद से ही उर्वर बनाया है।किसान कार्यकर्ता ने बताया कि धान की रासायनिक खेती में प्रति एकड़ 5-6 हजार रूपए लागत आती है और जैविक खेती में एक से डेढ़ हजार रूपए।

अगर मेड़ पर पौधे लगाए तो इससे हमें लकड़ी, फल, शुद्ध हवा, और ज़मीन को पानी सब कु छ मिलेंगे।आसपास के गांवों में जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सब्जी-बाड़ी को बढ़ावा दिया जा रहा है। संस्था छोटे बच्चों के लिए फुलवारी (झूला घर) चला रही है, जहां सब्जी-बाड़ी लगाई है। इसमें हरी भाजियां लगाई हैं, जिससे बच्चों को ताजी हरी सब्जियां खाने मिले। इस तरह गांवों में सब्जी-बाड़ी की परंपरा को फिर से बढ़ावा दिया जा रहा है।

इसके अलावा, संस्था ने ऐसी पुस्तिकाएं भी प्रकाशित ही हैं, जिसमें स्थानीय फल, फूल, सब्जी, मशरूम, कंद-मूल और पौष्टिक अनाजों की जानकारी दी हैं, और उनमें पौष्टिकता के बारे में बताया है, जिससे लोग ऐसे पौधों को जानें, और उनकी बाड़ियों में लगाएं। इससे स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी।

कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि यह प्रयोग अनूठा है। छत्तीसगढ़ में धान की विविधता है। इसके साथ कई और फसलें भी होती रही हैं। संस्था ने कृषि कार्यक्रम को प्राथमिकता दी है। संस्था के परिसर के साथ गांवों में भी किसानों के साथ जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। संस्था के परिसर में मरीजों व किसानों को इसकी जानकारी दी जाती है। अस्पताल के परिसर में बीजों की प्रदर्शनी लगी रहती है। कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि ऐसे ही प्रयोगों से मिट्टी-पानी के संरक्षण वाली देशी खेती बचेगी, लुप्त हो रहे देशी बीज बचेंगे, कृषि संस्कृति के साथ खाद्य सुरक्षा का भी संरक्षण होगा और लोगों को भी पोषणयुक्त भोजन मिलेगा, यह पूरी पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय है। इससे मिट्टी, पानी और पर्यावरण के संरक्षण के साथ छत्तीसगढ़ की ग्रामीण

भारत-ब्रिटेन एफटीए से निर्यातकों, एमएसएमई और पेशेवरों को 15 जुलाई से मिलेगा लाभ : गोयल

नई दिल्ली, 12 जुलाई । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने के बाद 15 जुलाई से भारत से ब्रिटेन को भेजे जाने वाले सभी निर्यात पर कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा, जिससे किसानों, मछुआरों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और घरेलू उद्योगों को लाभ मिलेगा।

गोयल ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह व्यापार समझौता केवल वस्तुओं और सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रिटेन में काम कर रहे हजारों भारतीय पेशेवरों को भी लाभ पहुंचाएगा। उन्होंने कहा, 'भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते के तहत 15 जुलाई से भारत से ब्रिटेन निर्यात की जाने वाली हर वस्तु पर शून्य आयात शुल्क लगेगा।''

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने 12 जुलाई को इसके शुरू होने की घोषणा करते हुए बताया कि इस समझौते से निर्यातकों, किसानों, मछुआरों, एमएसएमई और पेशेवरों को फायदा होने की उम्मीद है, साथ ही इससे भारत और यूके के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंध भी मजबूत होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि समझौते में 'डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन' (डीसीसी) का प्रावधान भी शामिल है। इसके तहत ब्रिटेन में पांच साल तक काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को वहां की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में योगदान नहीं देना होगा। गोयल ने कहा कि पहले भारतीय पेशेवरों के वेतन का करीब 25 फीसदी हिस्सा ब्रिटेन सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजना में चला जाता था। अब यह राशि भारत में उनके भविष्य निधि (पीएफ) खातों में जमा होगी, जिस पर 8.25 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह राशि कर मुक्त होगी और सेवानिवृत्ति के लिए उनकी बचत को सुरक्षित करने में मदद करेगी।

गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय पेशेवरों के लिए नए मौके उभरेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापारिक एवं आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। वाणिज्य मंत्री ने इस समझौते का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि वह 14 और 15 जुलाई को ब्रसेल्स में होने वाली भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में शामिल होंगे। इस दौरान लंबित मुद्दों के समाधान और प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी।

इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि बोरीवली में बंट्स संघ के शशिकिरण शेट्टी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के भव्य उद्घाटन और दाता सम्मान समारोह में शामिल हुआ। गोयल ने कहा कि शिक्षा को आगे बढ़ाने और अच्छी शिक्षा के मौकों के जरिए जरूरतमंद छात्रों को सशक्त बनाने में बंट्स समाज के अमूल्य योगदान पर जोर दिया। शिक्षा के काम में उदार सहयोग के लिए शशि किरण शेट्टी जी का विशेष आभार व्यक्त किया। साथ ही, प्रबंधन, फैकल्टी और छात्रों को शुभकामनाएँ दीं और भरोसा जताया कि यह संस्थान उत्तर मुंबई में शिक्षा को मज़बूत करने में सार्थक योगदान देगा।

भारत और इण्डोनेशिया के अंतस छंदस एक

- हृदयनारायण दीक्षित

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश इण्डोनेशिया है। वह भारत को लेकर पारिवारिक रिश्ते की घोषणा कर चुका है। इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भारत के साथ इण्डोनेशिया के संबंधों का खूबसूरत उल्लेख किया है। इण्डोनेशिया की यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति सुबियांतो ने आगे बढ़कर मोदी की प्रशंसा की।

भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष प्राचीन है। अपने जन्म स्थान भारत में इस संस्कृति और सभ्यता की जड़ें गहरी हैं। व्यवसायिक व अन्य कारणों से भारत छोड़कर विदेश में रहने वाले भारतीय सभ्यता और संस्कृति को लेकर स्वाभिमान अनुभव करते हैं। 28 करोड़ आबादी वाला इण्डोनेशिया भारतीय संस्कृति से भरा पूरा है। यहां लगभग 10000 उपासना स्थल व मंदिर हैं। श्रीराम इण्डोनेशिया की संस्कृति में छाए हुए हैं। पूरे देश के कोने-कोने में रामकथा होती रहती है।

इण्डोनेशिया और भारत के रिश्ते बहुत पुराने हैं। इण्डोनेशिया के लोग अपने अंतःकरण में भारत को अनुभव करते हैं। इण्डोनेशिया की हवाई सेवा का नाम गरुड़ एयरवेज रहा है। भारत में जो उपजिलाधिकारी प्रशासक होते हैं, इण्डोनेशिया में उन्हें महिपाल कहते हैं। इण्डोनेशिया के लोग विजयादशमी, होली आदि भारतीय त्योहारों का आनंद लेते हैं। इण्डोनेशिया में रामलीला होती है और उसके अधिकांश पात्रों का मजहब इस्लाम होता है। इण्डोनेशिया के लोग मानते हैं कि वे धर्म से और मजहब से इस्लामी हैं लेकिन संस्कृति से भारतीय हैं। यही संस्कृति इण्डोनेशिया और भारत का एकात्मक स्वरूप गढ़ती है।

प्रधानमंत्री के इस दौरे में स्वाभाविक ही दोनों पक्ष बढ़-चढ़कर एक-दूसरे की आवभगत कर सकते थे लेकिन यहां बात कुछ दूसरी ही थी। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने अपना डीएनए टेस्ट करवाया और पाया है कि उनका डीएनए भारतीय है। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत सुनते समय शरीर को थिरकता हुआ पाते हैं। बात सही भी है। अपनी जड़ों से जुड़ना सबको आनंदित करता है। इण्डोनेशिया की संस्कृति और भारत की संस्कृति की जड़ें एक हैं। इन जड़ों को सींचते रहना सबका दायित्व है। जैसे जड़ से सूखे पेड़ पर फूल नहीं खिलते। उन पर पक्षी गीत नहीं गाते।पाकिस्तान को ही लीजिए पाकिस्तान और भारतीय संस्कृति की जड़ें एक हैं। इस सभ्यता का विकास सिन्धु और सरस्वती नदियों की जड़ों से निकला है। पाकिस्तान अपनी मूल संस्कृति से पृथक है। जिन्ना और मुस्लिम लीग ने भारत को दो देश माना था। मजहब के आधार पर देश बनाने से राष्ट्रीय क्षति हुई है। पाकिस्तानी भूभाग में उदासी रहती है। नदियां उदास होकर बहती हैं। मजहबी कट्टरपंथ के कारण पाकिस्तान आतंकवाद की यूनिवर्सिटी बन चुका है। वे संस्कृति सत्य स्वीकार नहीं करते। यह संस्कृति हजारों वर्ष के साहचर्य से विकसित हुई है। पूर्वजों ने दीर्घकाल के अनुभवों के आधार पर इसे बड़े प्यार से गढ़ा है। दर्शन और विज्ञान ने इस सांस्कृतिक अभियान का नेतृत्व किया है।

यहां हजारों वर्ष प्राचीन सांस्कृतिक निरंतरता है। वैदिक काल के पूर्व के समाज में संपूर्ण मनुष्यता के प्रति एक प्रेमपूर्ण प्रवाह है। ऋग्वेद में उसकी झलक मिलती है। फिर उत्तर वैदिक काल में भी वही सांस्कृतिक निरंतरता प्रकट होती है। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा है कि, हमारी सभ्यता और संस्कृति पर भारतीय सभ्यता का गहरा प्रभाव है। उन्होंने बताया है कि, उनकी भाषा का लगभग पचास प्रतिशत हिस्सा संस्कृत से आया है। हमारे बहुत से नाम संस्कृत में हैं इसलिए हमारे बीच ऐसी स्वाभाविक निकटता है।

संस्कृति का निर्माण दीर्घकाल में होता है। प्रकृति प्रतिपल नया गढ़ती है। मनुष्य प्रकृति के सत्य, शिव और सुंदर को अंगीकृत करते हैं। ऐसे ही मनुष्य संस्कृति गढ़ते हैं। भारतीय संस्कृति का यह प्रवाह और प्रभाव भौगोलिक नहीं था। यह आर्याना में भी व्याप्त थी। आर्याना ही आज ईरान है। यही गांधार में प्रवाहित थी। कौरव वंशी राजा धृतराष्ट्र की पत्नी गांधारी वहीं की थीं। यही गांधार आज का अफगानिस्तान है। यह खोतान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार, श्याम (थाईलैंड), कम्बोडिया, चम्पा और मलेशिया तक व्याप्त रही।

इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। कभी वह भी हिन्दू सांस्कृतिक क्षेत्र था। इंडोनेशिया आज भी अपनी पुरानी सांस्कृतिक परम्परा से अनुरक्त हैं। फिलीपाइन्स, तिब्बत, बेरूबाड़ी तीन बीघा क्षेत्र तक व्याप्त यही हिन्दू संस्कृति महर्षि और्व के क्षेत्र अरब में भी प्रवाहित थी। जापान, कोरिया, मंगोलिया, साइबेरिया, इंग्लैंड, आयरलैंड, इटली, ग्रीस, मिस्र और आस्ट्रेलिया जैसे राज्य-क्षेत्र भी इस संस्कृति के उपासक रहे। दक्षिण अफ्रीका, फिजी, मारीशस, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनीडाड आदि देशों में इसका प्रभाव क्षेत्र सुविदित है। बेशक किन्हीं खास भौगोलिक सीमाओं में ही संस्कृति का विकास होता है। देश, राष्ट्र या राज्य जैसी सीमाएँ संस्कृति बोधक नाम पाती हैं पर दुनिया के सभी क्षेत्रों/देशों/राज्यों की संस्कृति दर्शन, विचार-शैली, काव्य-साहित्य और विभिन्न कलाओं के रूप में ही प्रकट होती है। भारतीय संस्कृति का अध्ययन भी इसी सामग्री के आधार पर किया जाना चाहिए।

ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन साहित्य, काव्य, समाजशास्त्र और तत्कालीन समाज-संस्कृति का दर्पण है। समूचा वैदिक साहित्य लोकमंगल की कामना है। इसमें सामाजिक संगठन के साथ-साथ अकरणीय-करणीय के सूत्र भी हैं। यहाँ शरीरविज्ञान, नक्षत्र विज्ञान, जंतुविज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, भौतिकी, रासायनिकों का विवेचन है। अणुविज्ञान के विश्लेषण की भी समझदारी है। उपनिषद सृष्टि रचना के आदितत्त्व की खोजबीन करते हैं और इन्हें पूरी मानवता के सत्यखोजी बताते हैं। पुराण लोकजीवन को संगठित करने और प्राचीन ज्ञान से फायदा उठाने के साथ-साथ लगातार सत्यखोजी बने रहने की प्रेरणा देते हैं। रामायण और महाभारत महाकाव्य हैं, इतिहास भी हैं। वे भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में स्वविवेक से जीवन यापन की प्रेरणा देते हैं।

प्रकृति प्रसाद है, विकृति विषाद है लेकिन संस्कृति महाप्रसाद है। संस्कृति का निर्माण अचानक नहीं होता। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस में स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति सभी राष्ट्रजनों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, संवेदना, आशा, निराशा, प्रतीति, अनुभूति, धीरज, साहस और संयम मर्यादा का अंतस होती है। भारत की संस्कृति हजारों वर्षों की तप-साधना के बाद बनी। सर जान मार्शल ने भी बताया, अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है। इसके पीछे अवश्य ही भारत की धरती पर लम्बा इतिहास होना चाहिए। भारतीय संस्कृति दीर्घकालीन तर्क, अनुभव और दर्शन का सुफल है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

इंग्लैंड बनी विश्व की नंबर एक टी20 टीम

एजेंसी

साउथैम्पटन। 20टी में भारत की बादशाहत खत्म हो गई है। सीरीज को 4-0 से अपने नाम करने के साथ ही इंग्लैंड अब आईसीसी रैंकिंग में विश्व की नंबर एक टीम बन गई है। द रोज बाउल के मैदान पर इंग्लैंड ने भारत की 1600 से ज्यादा दिनों की बादशाहत को खत्म किया। भारतीय टीम फरवरी 2022 से विश्व की नंबर एक टी20 टीम बनी हुई थी। हालांकि, पहले आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और अब इंग्लैंड से 0-4 से हारने के चलते भारतीय टीम का नंबर-वन का खिताब हट गया है।

फीफा वर्ल्ड कप: कोलंबियाई मिडफील्डर को मिली जान से मारने की धमकी, फेडरेशन ने जांच का आग्रह किया

बोगोटा । कोलंबियाई टीम 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' की खिताबी रेस से बाहर हुई, तो उसके मिडफील्डर जैमिंटन कैंपाज को जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। इसके बाद कोलंबियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफसीएफ) ने अधिकारियों से इन धमकियों की जांच करने का आग्रह किया है। कैम्पाज को सोशल मीडिया पर निशाना बनाया गया था, क्योंकि मंगलवार को स्विट्जरलैंड के विरुद्ध 'राउंड ऑफ 16' के मैच में एक्स्ट्रा टाइम के दौरान उन्होंने गोल करने का एक मौका गंवा दिया, जिससे टीम हार गई। वैंकूवर में एक तनावपूर्ण और गोल-रहित ड्रॉ के बाद, राउंड ऑफ 16 में स्विट्जरलैंड से पेनाल्टी शूटआउट में 3-4 से हारने के बाद मंगलवार को कोलंबिया का सफर खत्म हो गया। गोलकीपर को छकाने का मौका होने के बावजूद, कैम्पाज ने 'एक्स्ट्रा टाइम' में क्रॉसबार के ऊपर से शॉट मार दिया; अगर वह गोल हो जाता तो कोलंबिया 'अंतिम-8' में पहुंच जाता। एफसीएफ ने कहा कि उसने सरकारी वकीलों से उन लोगों की तुरंत पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए कहा है, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। अनुसार, एफसीएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हम जैमिंटन कैम्पाज, उनके परिवार, कोलंबियाई राष्ट्रीय टीम के सभी खिलाड़ियों और पूरे प्रतिनिधिमंडल के साथ पूरी एकजुटता और समर्थन जाहिर करते हैं। हम अटॉर्नी जनरल के ऑफिस से यह भी अनुरोध करते हैं कि वे इन हरकतों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने, उन पर मुकदमा चलाने और उन्हें सजा देने के लिए तुरंत जरूरी जांच करें। '

'कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं', विंबलडन में मुलाकात के बाद सचिन ने फेडरर के लिए लिखा खास मैसेज

लंदन । भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन के दौरान टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर से मुलाकात के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी और फेडरर की दोस्ती को खास बताते हुए लिखा कि कुछ रिश्ते कभी खत्म नहीं होते। सचिन ने लिखा, 'कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं। हमारी दोस्ती उनमें से एक है। रोजर, आपके साथ समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है। जब तक हम फिर से नहीं मिलते।' विंबलडन में सचिन का यह दौरा काफी यादगार रहा। वह शुक्रवार को खेले गए पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान प्रतिष्ठित रॉयल बॉक्स में मौजूद खास मेहमानों में शामिल थे। इस दौरान उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों और खेल जगत की मशहूर हस्तियों के साथ मैच का आनंद लिया। रॉयल बॉक्स में भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल भी मौजूद रहे। गिल के लिए यह पहला मौका था जब उन्होंने विंबलडन का मुकाबला रॉयल बॉक्स से देखा। इंग्लैंड दौरे के बीच समय निकालकर वह इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बने। इसके अलावा फुटबॉल स्टार और लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वैन डाइक तथा लीड्स यूनाइटेड के चेयरमैन पराग मराठे भी वहां मौजूद रहे।

एशियन गेम्स से पहले अनिमेष कुजूर ने बनाया नया रिकॉर्ड, 10.14 सेकंड में पूरी की 100 मीटर की दौड़

वेट्जलर । भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 100 मीटर दौड़ में नया मुकाम हासिल किया है। ओडिशा के इस धावक ने प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर फाइनल रेस में 10.14 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला। अनिमेष विदेशी धरती पर 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले भारतीय एथलीट बने हैं। इसके साथ ही वह भारत की तरफ से गुरिंदरवीर सिंह के बाद 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले खिलाड़ी बने हैं। गुरिंदरवीर 100 मीटर की रेस को 10.09 सेकंड में पूरा कर चुके हैं और उनके नाम नेशनल रिकॉर्ड दर्ज है। अनिमेष ने प्रतियोगिता की शुरुआत भी शानदार तरीके से की थी। उन्होंने दिन में हुई 100 मीटर हीट रेस को 10.19 सेकंड के समय के साथ जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और अपना पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 10.15 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ते हुए रेस को 10.14 सेकंड में पूरा किया। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के नेशनल रिकॉर्ड धावक अनिमेष अब भारत के सबसे तेज धावकों में शामिल हो गए हैं।

हीथर नाइट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया, भारत के खिलाफ टेस्ट होगा आखिरी मैच क्रिकेट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में चल रहा टेस्ट मैच उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। हीथर नाइट इस समय भारतीय महिला टीम के खिलाफ लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेल रही हैं और इसी मैच के बीच उन्होंने ये ऐलान किया है। हीथर की घोषणा के साथ ही उनके 16 साल के लंबे करियर का अंत होगा। नाइट ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। अपने करियर में उन्होंने कुल 320 अंतरराष्ट्रीय मैच (भारत के खिलाफ खेला जा रहा टेस्ट मैच भी शामिल) खेले, जिनमें 160 एकदीवसीय, अंतरराष्ट्रीय करियर में 7,988 रन बनाए और छह शतक लगाए। हीथर

145 टी-20 अंतरराष्ट्रीय और भारत के खिलाफ चल रहे टेस्ट को मिलाकर 15 टेस्ट मुकाबले शामिल हैं।इस टेस्ट से पहले नाइट ने अपने नाइट ने 2016 से 2025 तक इंग्लैंड महिला टीम की कप्तानी भी की। इस दौरान उन्होंने 199 मैचों में टीम का नेतृत्व किया, जिनमें इंग्लैंड ने 134 मुकाबलों जीत दर्ज की। उनकी कप्तानी में टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल कीं, लेकिन सबसे यादगार उपलब्धि 2017 में आई, जब इंग्लैंड ने लॉर्ड्स के मैदान पर आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीता।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक बयान में हीथर नाइट ने कहा कि इंग्लैंड की क्रिकेटर के रूप में मैंने जो सफर तय किया है, उसके लिए मैं बेहद आभारी और सौभाग्यशाली हूं। इस सफर से विदा लेना मुश्किल है, क्योंकि ड्रेसिंग रूम और वहां के लोग 16 साल से मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। मैं इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हूं और आगे के लिए बेहद उत्साहित हूं।

मैनचेस्टर सिटी ने 17 वर्षीय विंगर जेरेमी मोंगा के साथ किया पांच साल का करार

एजेंसी

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी ने युवा विंगर जेरेमी मोंगा को लीसेस्टर सिटी से पांच साल के अनुबंध पर अपने साथ जोड़ लिया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। 17 वर्षीय मोंगा का अनुबंध 2031 तक रहेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रांसफर की कुल कीमत एक करोड़ पाउंड (लगभग 13 मिलियन अमेरिकी डॉलर) बताई जा रही है। हालांकि क्लब ने आधिकारिक ट्रांसफर फीस का खुलासा नहीं किया है। जेरेमी मोंगा ने केवल 15 साल की उम्र में लीसेस्टर सिटी के लिए प्रीमियर लीग में पदार्पण किया था। वह क्लब के इतिहास में सबसे कम उम्र में मैच शुरू करने वाले खिलाड़ी भी बने। उन्होंने लीसेस्टर के लिए कुल 37 मुकाबले खेले और अपने प्रदर्शन से कई बड़े क्लबों का ध्यान आकर्षित किया। मोंगा ने अप्रैल 2025 में न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ 3-0 की हार में दूसरे हाफ में उतरकर प्रीमियर लीग में डेब्यू किया था। इसके बाद अगस्त 2025 में हडर्सफ़ील्ड के खिलाफ लीग कप मुकाबले में पहली बार शुरुआती एकादश में जगह बनाई। इंग्लैंड अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके मोंगा प्रीमियर लीग में खेलने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उनसे आगे केवल एथन न्वानेरी और मैक्स डाउमैन का नाम है। मैनचेस्टर सिटी से जुड़ने के बाद मोंगा ने कहा, जैसे ही मुझे पता चला कि मैनचेस्टर सिटी मुझे साइन करना चाहती है, मैंने तुरंत फैसला कर लिया कि यही मेरे लिए सही क्लब है।

आखिरी टी20 मैच में इंग्लैंड ने भारत को 56 रन से रौंदा, 4-0 से जीती सीरीज

एजेंसी

साउथैम्प्टन। सलामी बल्लेबाज जोस बटलर के विस्फोटक शतक और हैरी ब्रूक के नाबाद तूफानी अर्धशतक की बदौलत इंग्लैंड ने पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले में भारत को 56 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 4-0 से अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ इंग्लैंड आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की नंबर-1 टीम भी बन गया। साउथैम्प्टन के रोज बाउल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो भारत के खिलाफ उसका टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वोच्च स्कोर है।

जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में आठ

इंग्लैंड की पारी में जोस बटलर ने 64 गेंदों पर 131 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें चौकों और छक्कों की बारिश देखने को मिली। कप्तान हैरी ब्रूक ने 45 गेंदों पर नाबाद 95 रन बनाकर उनका शानदार साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 233 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो भारत के खिलाफ टी-20

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। भारत की ओर से शिवम दुबे ने दो, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट हासिल किया। इनके अलावा, कोई भी भारतीय गेंदबाज विकेट नहीं ले सका और पूरे मैच में इंग्लिश बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना मुश्किल रहा। 258 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 3 रन के निजी योग पर जल्दी आउट हो गए। हालांकि ईशान किशन ने 56 और तिलक वर्मा ने 25 गेंदों में तेज 53 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं निभा सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 28, संजू सैमसन ने 27 और शिवम दुबे ने 14 रन बनाए।

नॉर्वे को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप-2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने जूड बेलिंगहैम के बेहतरीन दो गोलों की बदौलत फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फ्लोरिडा के मियामी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। समयऔर कैलेंडर मैच का फैसला निर्धारित 90 मिनट में नहीं हो सका। रेगुलर टाइम समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में बेलिंगहैम ने विजयी गोल दागकर इंग्लैंड को यादगार जीत दिलाई। नॉर्वे ने मैच का पहला गोल 36वें मिनट में किया। एंड्रियास श्जेल्डरुप ने गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इंग्लैंड ने ज्यादा देर इंतजार नहीं किया और कुछ मिनट बाद जूड बेलिंगहैम ने बराबरी का गोल दाग दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

नतीजतन मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया। एक्स्ट्रा टाइम की शुरुआत में ही जूड बेलिंगहैम ने 93वें मिनट में अपना दूसरा और मैच का निर्णायक गोल दागा। इस गोल के बाद इंग्लैंड ने बढ़त कायम रखी और आखिरकार 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा कि नतीजा शानदार रहा है। हम टूर्नामेंट की आखिरी चार टीमों में पहुंच गए हैं, जो हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। हालांकि, हमने कुछ गलतियां भी कीं। हमारी गति उतनी अच्छी नहीं थी और खेल में निरंतरता की कमी रही। आज किस्मत हमारे साथ थी।

फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के चौथे क्वार्टर फाइनल में रविवार को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब 16 जुलाई को दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का सामना इंग्लैंड से होगा। पहला सेमीफाइनल 15 जुलाई को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा। कैनसस सिटी (अमेरिका) के कैनसस सिटी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले का फैसला निर्धारित 90 मिनट में नहीं हो सका, क्योंकि दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना ने दो गोल दागकर शानदार जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा। जूलियन अल्वारेज के 112वें मिनट में शानदार गोल से अर्जेंटीना 2-1 से

आगे हो गई। इसके बाद स्विट्जरलैंड ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना के लौटारो मार्टिनेज ने (120+1वें मिनट में) गोल दागकर 3-1 से जीत पर मुहर लगा दी। अर्जेंटीना के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही। 10वें मिनट में कप्तान लियोनेल मेसी की कॉर्नर किक पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और हाफटाइम तक यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड ने शानदार वापसी की। खेल के 67वें मिनट में डैन एनडोए ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड को बड़ा झटका लगा। स्ट्राइकर ब्रील एम्बोलो को दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद रेफरी ने रेड कार्ड दिखाते हुए मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बावजूद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही स्विस टीम ने निर्धारित समय तक अर्जेंटीना को बढ़त लेने का मौका नहीं दिया और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींचने में सफल रही। हालांकि, अल्वारेज और मार्टिनेज ने अतिरिक्त समय में गोल कर अर्जेंटीना को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया।

अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर मप्र की प्रियांशी बनी चैंपियन

एजेंसी

भोपाल। हरियाणा के रोहतक में 10 से 12 जुलाई 2026 तक आयोजित अंडर-23 राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य कुश्ती अकादमी की पूर्व खिलाड़ी प्रियांशी प्रजापत ने महिला 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रोहतक में आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, कर्नाटक और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के शीर्ष पहलवान भाग ले रहे हैं। देशभर के नामी पहलवानों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रियांशी ने पूरे टूर्नामेंट में संयम, तकनीक और आक्रामक खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मुकाबलों में बढ़त बनाई और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। यात्राकी गाइड और यात्रा की जानकारी प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रियांशी प्रजापत को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रियांशी भविष्य में भी देश के लिए

कई बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगी। इस उपलब्धि का श्रेय खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, कुश्ती अकादमी के प्रशिक्षकों और खेल विभाग के समस्त सहयोगी स्टाफ को भी जाता है, जिनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने 2026-27 सीजन से पहले आशीर अख्तर और दीपेश चौहान का बढ़ाया करार

एजेंसी

गुवाहाटी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने 2026-27 सीजन से पहले अपने दो भारतीय खिलाड़ियों डिफेंडर आशीर अख्तर और गोलकीपर दीपेश चौहान का अनुबंध बढ़ाने की घोषणा की है। फुटबॉल क्लब ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी। आशीर अख्तर ने क्लब के साथ एक साल का नया अनुबंध किया है, जबकि दीपेश चौहान ने लॉन्ग-टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वह 2028-29 सीजन के अंत तक टीम के साथ बने रहेंगे। इस समझौते में क्लब के पास अनुबंध को दो साल और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा। आशीर अख्तर 2023 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से जुड़े थे और तब से टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2024 में क्लब को पहला डूरंड कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई

थी। इसके बाद 2025 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने लगातार दूसरी बार डूरंड कप जीतकर 30 वर्षों से अधिक समय बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बनने का इतिहास रचा। 2025 डूरंड कप फाइनल में आशीर अख्तर ने पहला गोल दागा था, जिसके बाद नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने डायमंड हार्बर एफसी को 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। अनुबंध बढ़ने के बाद आशीर अख्तर ने कहा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ अपना सफर जारी रखने पर मुझे बेहद खुशी है। पिछले दो सीजन मेरे लिए शानदार रहे हैं और क्लब के इतिहास का हिस्सा बनना गर्व की बात है। क्लब ने मुझ पर जो भरोसा दिखाया है, उसके लिए मैं आभारी हूं। मैं आगे भी अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा, हर परिस्थिति में अपने साथियों का साथ निभाऊंगा और क्लब को नई सफलताएं दिलाने के लिए पूरी मेहनत करूंगा। हाल ही में एएफसी अंडर-23 एशियन कप क्वालिफायर के लिए भारतीय अंडर-23 टीम का हिस्सा रहे गोलकीपर दीपेश चौहान ने कहा, मैं क्लब का धन्यवाद करता हूं जिसने मुझ पर भरोसा जताया। यहां आने के बाद मैंने कोच, टीम के साथियों और क्लब से जुड़े हर व्यक्ति से बहुत कुछ सीखा है। हर दिन खुद को बेहतर बनाने का मौका है और मैं नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के लिए अपना शत-प्रतिशत देने के लिए उत्साहित हूं। आने वाले वर्षों में टीम के साथ नई उपलब्धियां हासिल करने का इंतजार है। इन दोनों खिलाड़ियों के अनुबंध विस्तार से कुछ दिन पहले ही क्लब ने मोरक्को के स्टार फॉरवर्ड अलाउद्दीन अजाराई के साथ भी दो साल का नया अनुबंध किया था।

आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन में मप्र की शूटर नीरू ढांडा ने जीता स्वर्ण

एजेंसी

भोपाल। इटली के लोनाटो शहर में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन में मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढांडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं अकादमी की खिलाड़ी मनीषा ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दसवां स्थान हासिल किया। जनसम्पर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने बताया कि इटली के लोनाटो में 3 से 13 जुलाई 2026 तक आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन प्रतियोगिता में दुनिया के कई देशों के सर्वश्रेष्ठ शूटर हिस्सा ले रहे हैं। विश्व की शीर्ष निशानेबाजों के बीच आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में नीरू ढांडा ने पूरे मुकाबले के दौरान बेहतरीन एकाग्रता, तकनीक और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं मनीषा ने भी चुनौतीपूर्ण प्रतिस्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष-10 में स्थान बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढांडा का स्वर्ण पदक जीतना और मनीषा का शीर्ष-10 में स्थान बनाना प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अकादमी में उपलब्ध कराए जा रहे विश्वस्तरीय प्रशिक्षण का परिणाम है। इससे एक बार फिर सिद्ध हुआ है कि मध्य प्रदेश की खेल अकादमियां अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नीरू ढांडा को स्वर्ण पदक जीतने तथा मनीषा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता मध्य प्रदेश की खेल अकादमियों में उपलब्ध कराई जा रही उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों के अथक परिश्रम का परिणाम है। सारंग ने दोनों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी।

फ्रांस को स्पेन से डरना चाहिए, हमने उन्हें पहले भी हराया है: लामिन यामल

एजेंसी

लॉस एंजिल्स । बेल्जियम को 2-1 से हराकर स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अब स्पेन की भिड़ंत फ्रांस से होगी। इस मैच से पहले ही स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल ने फ्रांस को खुली चुनौती दी है। यामल का कहना है कि स्पेन किसी भी टीम से नहीं डरता और अगर किसी को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है। उनके मुताबिक, स्पेन ने हाल के बड़े मुकाबलों में फ्रांस को हराया है और इस बार भी टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यामल का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। यामल ने कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ही सभी लोग स्पेन और फ्रांस के बीच मुकाबला देखना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'हम इस मैच को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि इस समय टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी।' यामल ने साफ कहा कि स्पेन अपने आक्रामक खेल में कोई बदलाव नहीं करेगा। यामल ने कहा कि टीम हमेशा की तरह गेंद पर नियंत्रण रखते हुए अटैकिंग फुटबॉल खेलेगी। 18 वर्षीय खिलाड़ी के अनुसार, फ्रांस मजबूत टीम है, लेकिन स्पेन अपनी पहचान नहीं बदलेगा।

टाई-ब्रेक के रोमांच में पैटन-हेलियोवारा ने दर्ज की जीत, लगातार दूसरी बार बने विंबलडन चैंपियन

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के हेनरी पैटन और फिनलैंड के हैरी हेलियोवारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विंबलडन 2026 का पुरुष युगल खिताब अपने नाम किया है। फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने एल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के माते पाविच को सीधे सेटों में 7-6 (7-4), 7-6 (7-3) से हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ हेनरी पैटन ओपन एरा में दो बार विंबलडन पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों ने 2024 में भी विंबलडन का खिताब जीता था और 2025 का ऑस्ट्रेलियन ओपन भी अपने नाम किया था।

टाई-ब्रेक में दिखाया दम

सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा। पूरे मैच में किसी भी खिलाड़ी को एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं मिला और दोनों सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचे। निर्णायक मौकों पर पैटन और हेलियोवारा ने संयम बनाए रखा और दोनों टाई-ब्रेक जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया। मैच के दूसरे मैच प्वाइंट

पर पैटन ने शानदार ऐस लगाकर जीत सुनिश्चित की।

लगातार दूसरी विंबलडन ट्रॉफी

पैटन और हेलियोवारा 2011 में ब्रायन बंधुओं (बॉब और माइक ब्रायन) के बाद विंबलडन पुरुष युगल में लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली जोड़ी बन गई है। ओपन एरा में ऐसा करने वाली यह कुल 11वीं जोड़ी है।

जीत के बाद पैटन ने कहा, यह किसी सपने जैसा है। पहली बार खिताब जीतने के बाद हमें नहीं पता था कि दोबारा यह मौका मिलेगा या नहीं। फिर से यहां ट्रॉफी जीतना हमारे लिए बेहद खास है। वहीं हेलियोवारा ने अपने साथी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पैटन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डबल्स पार्टनर हैं।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन

इस चैंपियन जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने अपने नौ में से आठ टाई-ब्रेक जीते और क्वार्टर फाइनल सहित कई मुकाबलों में निर्णायक सेट में जीत दर्ज की।

फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी पहली सर्विस पर 91 प्रतिशत अंक जीते और पूरे मैच में विपक्षी जोड़ी को एक भी ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं दिया।

अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने भरा रिटर्न, आखिरी तारीख 31 जुलाई

एजेंसी

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल कर दिया है। सिर्फ एक दिन में 10 लाख से ज्यादा आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। छुट्टियांव मौसमी आयोजन आयकर विभाग ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। विभाग ने करदाताओं से अपील किया है कि यदि आपने अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल नहीं किया है, तो समय रहते अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें। विभाग ने कहा कि आखिरी समय की भीड़ का इंतजार न करें। आयकर विभाग ने करदाताओं से आखिरी समय की भागदौड़ से बचने और 31 जुलाई 2026 की डेडलाइन से पहले आसानी से अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) https://incometa&.gov.in/iec/foportal/ पर फइल करने की अपील की है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन आईटीआर-1 (सहज) एक आसान फॉर्म है, जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम टैक्सपेयर्स के काम आता है। 'सहज' फॉर्म वे निवासी व्यक्ति भर सकते हैं जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी आय का ज़रिया सैलरी, एक घर की प्रॉपर्टी और 5,000 रुपये तक की सालाना खेती से होने वाली आय है। आईटीआर-2 फॉर्म उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों द्वारा भरा जाता है जिनकी आय किसी बिज़नेस या पेशे से होने वाले मुनाफ़े से नहीं, बल्कि कैपिटल गेन्स (पूंजीगत लाभ) से होती है। आयकर रिर्टन भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2026 है।

भारत ने ब्रिटेन से वाहन आयात पर एफटीए के तहत शुल्क कोटा लाभ लेने की प्रक्रिया को अधिसूचित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत रियायती सीमा शुल्क पर वाहनों के आयात का रास्ता साफ करते हुए कोटा आधारित शुल्क रियायत का लाभ लेने के लिए आयातकों की मंजूरी प्रक्रिया अधिसूचित कर दी है। यह व्यवस्था 15 जुलाई, 2026 से लागू होगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 9 जुलाई को जारी सार्वजनिक सूचना में कहा, '' भारत-ब्रिटेन (सीईटीए) के तहत कोटा आधारित शुल्क दर (टीआरक्यू) के आवंटन की प्रक्रिया अधिसूचित की जाती है।'' इस अधिसूचना के मुताबिक आयातित खेप की सीमा शुल्क निकासी के समय भारत में आयातक को ब्रिटेन के संबंधित प्राधिकरण द्वारा जारी मूल प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन) प्रस्तुत करना होगा। डीजीएफटी की अधिसूचना के मुताबिक व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के तहत भारत दोनों पक्षों के लिए निर्धारित कोटे के साथ मोटर वाहन आयात पर शुल्क को लगभग 110 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करेगा। भारत इस व्यापार समझौते के लागू होने के पहले 15 वर्ष के दौरान ब्रिटेन से पारंपरिक इंजन वाले यात्री वाहनों की 3.78 लाख इकाइयों के आयात की रियायती सीमा शुल्क पर अनुमति देगा। अधिसूचना के मुताबिक डीजीएफटी ने कहा, '' केवल ब्रिटेन में विनिर्मित वाहनों के मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) अथवा उनके विधिवत अधिकृत डीलर/चैनल पार्टनर ही टीआरक्यू के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे।'' व्यापार महानिदेशालय ने यह भी कहा कि पात्रता के लिए प्रत्येक आवेदक को ब्रिटेन स्थित वाहन विनिर्माता (ओईएम) द्वारा जारी पूर्व-क्रय समझौता प्रस्तुत करना होगा। इसमें टीआरक्यू वर्ष के दौरान आपूर्ति की जाने वाली वाहनों की संख्या का उल्लेख होगा। डीजीएफटी ने कहा, ''इन आयातों के लिए वर्ष का अर्थ भारत में एक जनवरी से 31 दिसंबर तक की कैलेंडर अवधि होगा। डीजीएफटी जारी किए गए टीआरक्यू प्रमाणपत्रों की संचयी संख्या पर निगरानी रखेगा। निर्धारित टीआरक्यू सीमा पूरी होने के बाद कोई टीआरक्यू प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा।'' ये प्रमाणपत्र अधिकतम 12 महीने या कैलेंडर वर्ष की समाप्ति तक, जो भी पहले हो, वैध रहेंगे। डीजीएफटी ने कहा, ''टीआरक्यू के तहत आयात करने वाले आयातक रियायती सीमा शुल्क का लाभ अंतिम खरीदार या उपभोक्ता तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।'' ब्रिटेन से भारत में आयात के लिए पारंपरिक इंजन वाले यात्री वाहनों का कोटा पांचवें वर्ष में विभिन्न श्रेणियों में बढ़कर 37,000 इकाई हो जाएगा। इसके साथ ही सीमा शुल्क क्रमिक रूप से घटकर अंतिम रूप से 10 फीसदी रह जाएगा। इसके बाद शुल्क में और कोई कटौती नहीं होगी।'

एसईसीएल की 'नीट' कोचिंग पहल को कोयला मंत्रालय ने अधिसूचित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की प्रमुख कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल 'एसईसीएल के सुश्रुत' को भारत के राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। कोयला कंपनी ने एक बयान में बताया कि वर्ष 2023 में शुरू की गई इस पहल के तहत मेधावी छात्रों को मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' के लिए निःशुल्क आवासीय कोचिंग दी जाती है। कोयला मंत्रालय ने इस योजना के लाभार्थियों के लिए 'आधार' प्रमाणीकरण सक्षम करने संबंधी राजपत्र अधिसूचना जारी की है। मंत्रालय के अधिसूचना के तहत स्वैच्छिक आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से लाभार्थियों तक पारदर्शी, कुशल और लक्षित तरीके से लाभ पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए जो लाभार्थी 'आधार' का उपयोग नहीं करना चाहते, उनके लिए वैकल्पिक पहचान दस्तावेजों का प्रावधान भी रखा गया है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह राजपत्र अधिसूचना इस योजना को औपचारिक मान्यता देती है। कोयला सार्वजनिक उपक्रम क्षेत्र में इस तरह की पहल के लिए पहली बार ऐसा कदम उठाया गया है, जो खनन क्षेत्रों में सामाजिक विकास में कोयला कंपनियों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। एसईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा, 'यह अधिसूचना इस पहल की महत्वपूर्ण पहचान है, जो कोयला क्षेत्र के युवाओं की आकांक्षाओं को अवसरों में बदल रही है। यह सरकार के समावेशी और पारदर्शी विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है।'

आंध्र प्रदेश में वर्जीनिया तंबाकू के विपणन सत्र 2025-26 में प्रगति की वाणिज्य विभाग ने समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के फ्ल्यू-क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू विपणन सत्र 2025-26 की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही तंबाकू खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने, समग्र विपणन तंत्र को मजबूत करने तथा निर्यात को सुगम बनाने के उपायों पर हितधारको के साथ विचार-विमर्श किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि वाणिज्यिक विभाग के अपर सचिव नितिन कुमार यादव (आईएएस) के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के एक दल ने हैदराबाद में चल रहे आंध्र प्रदेश फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू विपणन सत्र 2025-26 की समीक्षा की। टीम ने तंबाकू की खेती करने वालों, उत्पाद निर्माता, निर्यातक, व्यापारी, व्यापार संघ और तंबाकू बोर्ड के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक में बाजार की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई और तंबाकू उगाने वालों के हितों की रक्षा के लिए सरकार के कथन को फिर से पक्का किया गया। चर्चा के दौरान फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की खरीद में तेज़ी लाने, निर्यात को आसान बनाने और पूरे मार्केटिंग इकोसिस्टम को मज़बूत करने के उपायों पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

स्टेट बैंक ने एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट में 1.42 फीसदी हिस्सेदारी 1,655 करोड़ रुपये में बेची

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी सब्सिडियरी परिसंपत्ति प्रबंधन इकाई एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएम) में 1.42 फीसदी हिस्सेदारी आईपीओ पूर्व नियोजन के तहत 30 निवेशकों को 1,655 करोड़ रुपये में बेची है। एसबीआई ने जारी बयान में यह जानकारी दी। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह हिस्सेदारी 574 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेची है, जो प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के मूल्य दायरे की ऊपरी सीमा भी है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का 11,600 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 जुलाई को खुलेगा और 16 जुलाई को बंद होगा। बैंक ने कहा कि यह पूरा आईपीओ प्रवर्तकों एसबीआई और अमुंडी इंडिया होल्डिंग की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। एसबीआई ने ये हिस्सेदारी 360 वन फंड्स, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, बेनेट कोलमैन, आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस, कैप्री ग्लोबल वेंचर्स और कार्नेलियन भारत अमृतकाल फंड सहित विभिन्न निवेशकों को बेची।

एक्सपायर्ड, असुरक्षित खाद्य पदार्थ बेचने के आरोप में स्विगी इंस्टामार्ट को एफएसएसएआई के 9 नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्विगी इंस्टामार्ट को उपभोक्ताओं की कई शिकायतों के आधार पर नौ नोटिस जारी किए हैं। शिकायतों में एक्सपायर्ड, सड़े-गले, दूषित और मानव उपभोग के लिए असुरक्षित खाद्य उत्पादों की बिक्री सहित खाद्य सुरक्षा नियमों के कई कथित उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है। एफएसएसएआई द्वारा जारी नोटिसों के अनुसार, हेल्दीफाई 100 प्रतिशत प्रोटीन, नोइस होमस्टाइल मद्रास मिक्सर विथ पीनट, अक्षयकल्पा ऑरगैनिक अंडा और काके द पराठा जैसे उत्पादों को लेकर शिकायतें मिलीं हैं। आरोप है कि कुछ उत्पाद एक्सपायरी डेट के बाद बेचे गए, जबकि कुछ खराब, दुर्गंधयुक्त और दूषित पाए गए। एक मामले में यह भी आरोप लगाया गया कि वापस किए गए खराब खाद्य उत्पाद को दोबारा ग्राहक को भेज दिया गया।

एफएसएसएआई ने यह भी पाया कि नोइस ब्रांड के अंडे ऐसे ब्रांड नाम से बेचे जा रहे थे, जो संबंधित एफएसएसएआई लाइसेंस में अनुमोदित उत्पाद श्रेणी में शामिल

नहीं था। प्राधिकरण ने निर्देश दिया कि वैध लाइसेंस मिलने तक ऐसे उत्पादों की बिक्री रोक दी जाए और आवश्यकता पड़ने पर लाइसेंस में संशोधन कराया जाए। शिकायतों में खराब अंडे, दूध और पैकेज्ड फूड की डिलीवरी, गलत या अमान्य एफएसएसएआई लाइसेंस नंबरों के उपयोग तथा शिकायतों के समाधान में लापरवाही के भी आरोप लगाए गए हैं। कुछ मामलों में ग्राहकों का आरोप है कि खाद्य सुरक्षा संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय केवल रिफंड की पेशकश की गई।

एफएसएसएआई ने विक्रेताओं के ऑनबोर्डिंग, नियामकीय अनुपालन, ट्रेसेबिलिटी, खाद्य गुणवत्ता की निगरानी, शिकायत निवारण और खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन से जुड़े सिस्टम पर भी गंभीर चिंता जताई है।प्राधिकरण ने स्विगी इंस्टामार्ट के फ़ूड बिज़नेस ऑपरेटर को विस्तृत स्पष्टीकरण और अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। प्राधिकरण ने कहा कि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा लोगों ने भरा ITR : आयकर विभाग

एजेंसी

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने बताया कि आकलन वर्ष (असेसमेंट ईयर-एवाई) 2026-27 के लिए अब तक 1.7 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, '1.7 करोड़ से अधिक करदाताओं ने समझदारी दिखाते हुए आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अपना आईटीआर पहले ही दाखिल कर दिया है।' विभाग के अनुसार, शुक्रवार को अकेले 10 लाख से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। आयकर विभाग ने उन सभी पात्र करदाताओं से अपील की है, जिन्होंने अभी तक अपना आईटीआर दाखिल नहीं किया है, कि वे 31 जुलाई की अंतिम तिथि से पहले रिटर्न भर दें, ताकि अंतिम समय की भीड़ और तकनीकी परेशानियों से बचा जा सके। गौरतलब है कि मई में आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म की एक्सेल यूटिलिटी ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध करा दी थी। इसके साथ ही करदाता इन दोनों फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी और ऑनलाइन फाइलिंग, दोनों विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। आईटीआर-1 (सहज) उन निवासी व्यक्तिगत करदाताओं के लिए है, जिनकी वार्षिक आय 50 लाख रुपए तक है और जिनकी आय वेतन, एक मकान तथा अन्य स्रोतों से होती है। इसमें सालाना 5,000 रुपए तक की कृषि आय भी शामिल हो सकती है।

वहीं, आईटीआर-2 उन व्यक्तिगत करदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के लिए लागू होता है, जिनकी आय व्यवसाय या पेशे से नहीं होती, लेकिन उन्हें कैपिटल गेन जैसे अन्य स्रोतों से आय प्राप्त होती है।

इससे पहले केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए संशोधित खुलासा नियमों के साथ नए आईटीआर फॉर्म अधिसूचित किए थे। नए नियमों के तहत दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन), शेयर बायबैक से होने वाले नुकसान और कुछ प्रकार के ट्रेडिंग लेनदेन से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। इस बीच, आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल से 17 जून, वित्त वर्ष 2027 के दौरान शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) सालाना आधार पर 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। वहीं, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 12.46 प्रतिशत बढ़कर 6.1 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 5.4 लाख करोड़ रुपए था।

एमएसएमई के सभी बीजकों के निपटान के लिए ट्रेड्स अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) के द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के सभी बीजकों के निपटान के लिए ट्रेड्स को अनिवार्य कर दिया है। इसको 30 जून, 2026 की अधिसूचना के जरिए केंद्रीय बजट 2026-27 की घोषणा के अनुरुप लागू किया गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) ने एक बयान में कहा कि सभी चालू केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि वे एमएसएमई सप्लायर्स के इनवॉइस का भुगतान 'ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम' (ट्रेड्स) के जरिए करें। इस कदम का मकसद भुगतान में तेज़ी लाना और छोटे व्यवसायों के लिए बिना गारंटी वाली वर्किंग कैपिटल (कार्यशील पूंजी) तक पहुंच को बेहतर बनाना है। मंत्रालय ने कहा कि सभी कार्यरत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) एमएसएमई से खरीदी गई वस्तुओं एवं सेवाओं के सभी बीजकों का निपटान भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिकृत ट्रेड्स प्लेटफॉर्मों के माध्यम से करेंगे। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार ट्रेड्स के माध्यम से प्रेषित एवं निपटाए गए एमएसएमई बीजकों का विवरण सार्वजनिक करेंगे।

मप्र में 1160 करोड़ का चावल घोटाला, 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, चार गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में 1,160 करोड़ रुपये के फोर्टिफाइड चावल घोटाले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने शनिवार शाम वारासिवनी थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले में 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें से चार लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। वहीं, बालाघाट कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मृणाल मीणा ने भारतीय खाद्य निगम द्वारा एथेनॉल उत्पादन के लिए जारी किए जा रहे चावल के कथित डायवर्जन के मामले में भारतीय खाद्य निगम भोपाल के क्षेत्रीय महाप्रबंधक को पत्र लिखकर मामले की विस्तृत जांच कराने को कहा है। उन्होंने कहा है कि एफसीआई के अन्य गोदामों से एथेनॉल नीति के अंतर्गत जारी किए जा रहे चावल का भी भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। कलेक्टर मीणा ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने पर राजस्व विभाग तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने जांच की है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि एफसीआई के नेवरगांव, जिला बालाघाट गोदाम से एथेनॉल उत्पादन के लिए मेसर्स ए.बी.जे. एग्रीको प्रा.लि., छिंदवाड़ा को आवंटित

फोर्टिफाइड चावल निर्धारित गंतव्य तक पहुंचने के बजाय कथित रूप से अवैध रूप से संवेदी राइस मिल में डायवर्ट किया गया। इस संबंध में थाना वारासिवनी में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। गौरतलब है कि एथेनॉल उत्पादन के नाम पर करीब 2320 रुपये प्रति क्विंटल में निकलने वाला सरकारी फोर्टिफाइड चावल करीब 2800 रुपये प्रति क्विंटल में बेचा जा रहा था। इस पूरे नेटवर्क में कई स्तरों पर मुनाफा बांटा जा रहा था। मामले की शुरुआत 3 जून को हुई, जब वारासिवनी क्षेत्र में संचेती राइस मिल के पास सरकारी फोर्टिफाइड चावल से भरा एक ट्रक पकड़ा गया। यह चावल बालाघाट के एफसीआई गोदाम से छिंदवाड़ा के एवीजे एथेनॉल प्लांट भेजा जाना था। शुरुआती जांच में एक ट्रक का मामला सामने आया, लेकिन पड़ताल आगे बढ़ी तो ट्रकों, राइस मिलर्स और ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की परतें खुलती चली गईं। छुट्टियांव मौसमी आयोजन वारासिवनी पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में ट्रक ड्राइवर दुर्गेश शेंडे, एवीजे एथेनॉल प्लांट का प्रतिनिधि राहुल प्रताप, प्लांट सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव और सिवनी का ट्रांसपोर्टर उबेद खान शामिल हैं। वहीं, संचेती राइस मिल के संचालक गंभीर संचेती और उनके बेटे सौरभ संचेती फरार हैं। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए 20-25 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। टीम अब तक 17 ट्रक जब्त कर चुकी है। 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है।

पीएमएफएमई योजना के तहत क्रेडिट-लिंक्ड लाभार्थियों की संख्या दो लाख के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र ने आत्मनिर्भरता की दिशा में अभूतपूर्व मुकाम हासिल किया है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में घोषणा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत 2 लाख से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को (क्रैडिट-लिंक्ड) ऋण स्वीकृत करने की उपलब्धि हासिल की है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने नई दिल्ली में एक विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसमें प्रधानमंत्री की सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिककरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत प्राप्त एक ऐतिहासिक उपलब्धि- दो लाख से अधिक सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को ऋण स्वीकृत किए जाने का उत्सव मनाया। मंत्रालय ने कहा कि 2 लाख ऋण स्वीकृतियों का आंकड़ा पार करते हुए इस योजना ने 20,300 करोड़ रुपये से अधिक के परियोजना निवेश को बढ़ावा दिया है। लाभार्थियों में से लगभग 90 प्रतिशत पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं और 44 फीसदी महिला उद्यमी हैं, जबकि 75 हजार से अधिक पीएमएफएमई समर्थित उद्यम, उद्यम आधार, उद्यम असिस्ट, एफएसएसएआई और जीएसटी जैसे पंजीकरणों के माध्यम से औपचारिक अर्थव्यवस्था में प्रवेश कर चुके हैं। इस योजना ने लगभग 11 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। चिराग पासवान ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि दो लाख लाभार्थियों की उपलब्धि यह दर्शाती है कि यह परिकल्पना पूरे देश में मापने योग्य परिणामों में तब्दील हो रहा है, और सभी लाभार्थियों में लगभग 44 फीसदी महिला उद्यमियों की भागीदारी को महिला नेतृत्व वाले विकास की सच्ची भावना, विकसित भारत की आधारशिला बताया।

तेलंगाना का रेलवे बजट बढ़कर 5,000 करोड़ रुपये हुआ, तीन बुलेट ट्रेन कॉरिडोर भी स्वीकृत : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

हैदराबाद। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना में रेलवे अवसंरचना के विकास को गति देने के लिए राज्य का रेलवे बजट बढ़ाकर 5,000 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान अविभाजित आंध्र प्रदेश को रेलवे के लिए मात्र 880 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जबकि वर्तमान सरकार रेलवे नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण पर अभूतपूर्व निवेश कर रही है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में विकसित भारत-2047 में तकनीक की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए

वैष्णव ने कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का आधुनिक स्वरूप में पुनर्विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, तेलंगाना के 40 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं पुनर्विकास के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई है। रेल मंत्री ने कहा कि भारत में विकसित वंदे भारत ट्रेनें विश्व की सर्वश्रेष्ठ ट्रेनों में शामिल हैं। वर्तमान में तेलंगाना में वंदे भारत की पांच सेवाएं संचालित हो रही हैं, जिससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक रेल यात्रा की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना में चार इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी है। साथ ही देश में स्वीकृत तीन सेमीकंडक्टर निर्माण परियोजनाओं में से एक इकाई में उत्पादन भी शुरू हो चुका है, जो भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार ने देशभर में सात नए बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इनमें से तीन कॉरिडोर तेलंगाना से जुड़े हैं, जिनके माध्यम से हैदराबाद को चेन्नई, बेंगलुरु और मुंबई से हाई-स्पीड रेल नेटवर्क द्वारा जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय संपर्क, औद्योगिक विकास और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना का परिचालन अगले वर्ष शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड रेल परियोजनाएं भारत के परिवहन क्षेत्र में नए युग की शुरुआत करेंगी।

नीति आयोग ने शांति अधिनियम के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ की परामर्श बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली । नीति आयोग ने नई दिल्ली में शांति अधिनियम 2025 को लागू करने पर हितधारकों के साथ विचार-विमर्श आयोजित किया। इसका मुख्य फोकस कानूनी और नियामक ढांचा तैयार करने, वित्त, बीमा और लोगों की सोच को बेहतर बनाने के साथ ही विनिर्माण क्षमता, ऑपरेशन की तैयारी और क्षमता निर्माण को बढ़ाने पर है। नीति आयोग ने एक बयान में बताया कि नीति आयोग ने 10 जुलाई को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के समरसता सभागार में शांति अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक आयोजित की। इस बैठक में सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं प्रमुखों, नीति निर्माताओं ने भाग लिया और इस महत्वपूर्ण अधिनियम के परिचालन तंत्र पर विचार-विमर्श किया। आयोग के मुताबिक तकनीकी चर्चाएं अधिनियम के सफल कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण तीन मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित थीः- इसमें विधायी एवं नियामक ढांचा, वित्त, बीमा और जनधारणा और विनिर्माण, संचालन एवं क्षमता विकास प्रमुख है। विचार-विमर्श शांति अधिनियम के मसौदा नियमों, विनियमों और संबंधित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति के प्रावधानों पर केंद्रित था, जिसमें उद्घाटन तकनीकी खंड में शांति अधिनियम, 2025 के तहत संवैधानिक अनुपालन तंत्रों को भी प्रस्तुत किया गया। वहीं, इस बात पर चर्चा की गई कि घरेलू हितों की रक्षा करते हुए विदेशी पूंजी को कैसे आकर्षित किया जा सकता है। हितधारकों ने अधिनियम के कार्यान्वयन में सहयोग के लिए आवश्यक वित्तीय तंत्रों और जोखिम-निवारण ढाँचों की समीक्षा की। चर्चा में दीर्घकालिक परियोजनाओं के लिए उपयुक्त बीमा व्यवस्थाओं के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के प्रति जन जागरूकता, सामुदायिक विश्वास और व्यापक स्वीकृति को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्य ध्यान परिचालन चरण पर था जिसमें घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करने, परिचालन की तैयारी सुनिश्चित करने और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने पर बल दिया गया।

केंद्र सरकार ने चीनी ट्यूब और पाइप पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जनवरी, 2027 तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीन से आयातित कुछ सीमलेस ट्यूब और पाइप पर लागू डंपिंग रोधी शुल्क को जनवरी, 2027 तक के लिए बढ़ा दिया है। समयऔर कैलेंडर वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने इस बावत एक अधिसूचना जारी कर दी है। बताया गया है कि सस्ते आयात से घरेलू विनिर्माताओं की सुरक्षा के लिए चीन से आयातित कुछ सीमलेस ट्यूब तथा पाइप पर लगाए गए डंपिंग रोधी शुल्क की अवधि बढ़ाई गई है। अधिसूचना के मुताबिक लोहे, मिश्रधातु या गैर-मिश्रधातु इस्पात के सीमलेस ट्यूब, पाइप और खोखले प्रोफाइल पर यह शुल्क पहली बार 28 अक्टूबर, 2021 को पांच वर्ष के लिए लगाया गया था। मौजूदा डंपिंग रोधी शुल्क 961.33 डॉलर से 1,610.67 डॉलर प्रति टन के बीच है। इसके तहत चीन से आने वाले या वहां से निर्यात होने वाले आयरन, अलॉय या नॉन-अलॉय स्टील के सीमलेस ट्यूब, पाइप और होलो प्रोफाइल पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की अवधि को बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा सीबीआईसी ने मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से निर्यात किए जाने वाले 'नॉर्मल ब्यूटानॉल' या 'एन-ब्यूटिल अल्कोहल' के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क को भी पांच वर्ष तक जारी रखने की घोषणा की है। इसका उपयोग रसायन, पेंट, चिपकाने वाले पदार्थ (एडहेसिव) और कोटिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है।

रिलायंस अनिल अंबानी समूह पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 1,021 करोड़ रुपए की नई संपत्तियां जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े मामले में 1,021 करोड़ रुपए की नई संपत्तियां अटैच (कुर्क) की हैं। इसके साथ ही रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अब तक अटैच की गई कुल संपत्तियों का मूल्य बढ़कर 20,367 करोड़ रुपए हो गया है। ईडी ने बताया कि आरएचएफएल और आरसीएफएल के खिलाफ जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की शिकायतों पर दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। ईडी के एक बयान के अनुसार, अब तक की जांच में पता चला है कि आरएचएफएल और आरसीएफएल द्वारा जुटाए गए 15,548 करोड़ रुपए के सार्वजनिक धन को रिलायंस अनिल अंबानी समूह के नियंत्रण वाली शेल और समूह कंपनियों के जाल के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से दूसरी जगह भेजा गया (डायवर्ट किया गया)। जांच एजेंसी ने बताया कि इस बार अटैच की गई संपत्तियों में रिलायंस

इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पास मौजूद रिलायंस पावर लिमिटेड के इक्विटी शेयर और सासन पावर लिमिटेड तथा रिलायंस पावर लिमिटेड से प्राप्त होने वाली कुछ लोन राशि भी शामिल हैं। ईडी वर्तमान में रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ पीएमएलए और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफईएमए) के तहत कई मामलों की जांच कर रही है। एजेंसी के मुताबिक, अब तक पीएमएलए के तहत 4 प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की जा चुकी हैं, जबकि एफईएमए के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं। ईडी ने बताया कि जांच के दौरान 80 से अधिक परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया गया। नई संपत्तियों की कुर्की के बाद पीएमएलए के तहत रिलायंस अनिल अंबानी समूह के मामलों में कुल अटैच संपत्तियों का मूल्य 20,367 करोड़ रुपए पहुंच गया है। इसके अलावा, एफईएमए के तहत 77.86 करोड़ रुपए की अतिरिक्त संपत्तियां भी अटैच की गई हैं। जांच एजेंसी ने बताया कि अब तक रिलायंस अनिल अंबानी समूह के आठ वरिष्ठ अधिकारियों और करीबी सहयोगियों को पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है और सभी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने इन मामलों की तेजी से जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का भी गठन किया है। गौरतलब है कि इसी सप्ताह ईडी ने ई-कॉम्प्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके एक निदेशक के आवास पर भी छापेमारी की थी, जिसमें रिलायंस अनिल अंबानी समूह के कथित नियंत्रण वाली संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और संपत्तियों से जुड़े अहम सबूत बरामद किए गए थे। ईडी के अनुसार, तलाशी के दौरान बैंक घोटाले से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज, अचल संपत्तियों के रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी जब्त किए गए हैं।

कनाडा के टोरंटो में स्ट्रीट फेस्टिवल के दौरान मास शूटिंग, दो लोगों की मौत, 6 अन्य घायल, संदिग्ध फरार

एजेंसी

टोरंटो (कनाडा)। कनाडा के टोरंटो शहर से एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ सेंट क्लेयर एवेन्यू वेस्ट और अर्लिंग्टन एवेन्यू पर आयोजित एक सार्वजनिक स्ट्रीट फेस्टिवल (सड़क उत्सव) के दौरान अंधाधुंध गोलीबारी (मास शूटिंग) की घटना हुई है। टोरंटो पुलिस ऑपरेशन्स के अनुसार, इस वीभत्स हमले में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल व्याप्त है।

हमलावर अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

पुलिस से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य संदिग्ध (हमलावर) मौके से फरार होने में कामयाब रहा। उसकी गिरफ्तारी के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। टोरंटो पुलिस की स्पेशल यूनिट और सशस्त्र बल संदिग्ध की सरगर्मी से तलाश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक हमलावर की पहचान या उसकी गिरफ्तारी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाज पर हमले के बाद अमेरिका ने ईरान पर किया तीसरा बड़ा सैन्य हमला

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ने लगा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट में साइप्रस के झंडे वाले जहाज पर हमला किया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर हमले तेज किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने यह जानकारी दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, अमेरिका की सेना पूर्वी समय के अनुसार शाम 7.15 बजे (भारतीयी समयानुसार रविवार सुबह 4.45 बजे) हमले शुरू किए। कमांड ने बताया कि यह ऑपरेशन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कमांडर-इन-चीफ के तौर पर दिए गए आदेश के बाद शुरू किया गया। सेंटकॉम के अनुसार, जहाज पर हमले के बाद एक नागरिक क्रू सदस्य लापता हो गया। आग लगने और इंजन रूम को भारी नुकसान पहुंचने के कारण जहाज बीच रास्ते में ही फंस गया। लापता क्रू सदस्य किस देश का नागरिक है, इसका भी खुलासा नहीं हुआ है। कमांड ने कहा, 'एक नागरिक क्रू सदस्य लापता है और जहाज पर आग लगने व इंजन रूम को काफी नुकसान पहुंचने के कारण वह अपनी यात्रा जारी रखने में असमर्थ है।' सेंटकॉम ने एक बयान में कहा, 'आज शाम 7:15 बजे (ईटी), अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के खिलाफ इस हफ्ते हमलों का तीसरा दौर शुरू किया। यह कार्रवाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सेनाओं की ओर से होर्मुज से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज 'एम/वी जीएफएस गैलेक्सी' पर हमला करने के बाद की गई।'

नेपाल के 23 जिलों में बाढ़ की संभावना, काठमांडू में भी ऑरेंज फ्लड अलर्ट

काठमांडू। नेपाल के मौसम विभाग ने 23 जिलों में बाढ़ आने की संभावना जताई है। इसके अलावा काठमांडू में 'ऑरेंज फ्लड अलर्ट' भी जारी किया गया है। देश की सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण बाढ़ और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग ने काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर और काभ्रेपलाञ्चोक जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों की नदियों का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंचने की संभावना है, जिससे बाढ़ का खतरा अधिक है। प्रभाग के अनुसार, पाँचथर, ताप्लेजुङ, तेह्रथुम, धनकुटा, भोजपुर, सोलुखुम्बु, संखुवासभा, खोटाङ, ओखलढुंगा, उदयपुर, सिन्धुली, दोलखा, रामेछाप, सिन्धुपालचोक, नुवाकोट, रसुवा, धादिङ, मकवानपुर, रौतहट तथा आसपास के जिलों की नदियों का जलस्तर भी काफी बढ़ सकता है, जिससे फ्लैश फ्लड का मध्यम खतरा बना हुआ है। प्रभाग ने प्रभावित जिलों के नदी किनारे रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने तथा मौसम और बाढ़ संबंधी ताज़ा सूचनाओं पर लगातार नजर रखने की अपील की है। बाढ़ चेतावनी प्रणाली के अनुसार हरा (ग्रीन) रंग का अर्थ है कि नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से नीचे है और बाढ़ का खतरा कम है।

सरकारी प्रतिबद्धताओं की निगरानी के लिए नेपाल पीएमओ में बनेगी 'पीएम डिलीवरी यूनिट'

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय के अंतर्गत प्रधानमंत्री डिलीवरी यूनिट स्थापित की जाएगी। यह यूनिट मंत्रिपरिषद् से स्वीकृत 18 सूत्रीय राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सरकारी निकायों के बीच समन्वय स्थापित करने और उनके कार्यान्वयन की निगरानी करेगी। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने इससे पहले 100 सूत्रीय सुशासन सुधार एजेंडा सार्वजनिक किया था। इसी एजेंडे के आधार पर 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में प्रतिनिधित्व हासिल करने वाले छह राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के घोषणापत्र, वादों और प्रतिबद्धताओं को समाहित करते हुए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता दस्तावेज तैयार किया गया। इस दस्तावेज़ में शामिल कई प्रतिबद्धताओं को आगामी आर्थिक वर्ष 2026-27 की सरकारी नीति, कार्यक्रम और बजट में पहले ही शामिल किया जा चुका है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय के अनुसार मौजूदा नीति, कार्यक्रम और बजट में शामिल नहीं हो सकने वाली जो प्रतिबद्धताओं कों भविष्य के सुधार कार्यक्रमों में समाहित किया जाएगा। सभी प्रतिबद्धताओं को संबंधित मंत्रालयों और सरकारी निकायों की वार्षिक योजनाओं तथा बजट में शामिल कर उनके माध्यम से लागू किया जाएगा।

ट्रंप के मुखर आलोचक से पक्के समर्थक बने सीनेटर ग्राहम का निधन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके कार्यालय ने रविवार तड़के (स्थानीय समयानुसार) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी दी। ग्राहम पाकिस्तान की नीति और नीयत को लेकर कभी भी आश्वस्त नहीं रहे। हाल ही में उन्होंने अमेरिका-ईरान के बीच मध्यस्थता को लेकर भी काफी सवाल खड़े किए थे। 71 वर्षीय ग्राहम दक्षिण कैरोलिना से रिपब्लिकन पार्टी के एक प्रमुख सीनेटर थे। अपने राजनीतिक करियर के शुरुआती दौर में वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुखर आलोचक रहे थे, लेकिन बाद में कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) में उनके सबसे भरोसेमंद समर्थकों में शामिल हो गए। उनके कार्यालय ने

कहा, 'एक संक्षिप्त बीमारी के बाद सीनेटर ग्राहम का शनिवार शाम देहांत हो गया। परिवार इस समय लोगों से प्रार्थनाओं की अपील करता है और इस बेहद कठिन समय में निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है।' ग्राहम को 2002 में अमेरिकी सीनेट के लिए चुना गया था। इससे पहले वह 1994 में दक्षिण कैरोलिना के तीसरे कांग्रेसनल जिले से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए थे। रक्षा मामलों में कड़ा रुख रखने वाले नेता के रूप में उनकी पहचान थी। ग्राहम कार्यालय की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में ऐसे परिणामों के लिए लगातार प्रयास किया, जो अमेरिका के दीर्घकालिक राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा करें।' हाल के समय में ग्राहम ने सीनेट बजट समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। इसके अलावा वह सीनेट विनियोग समिति, सीनेट न्यायपालिका समिति और सीनेट पर्यावरण एवं लोक निर्माण समिति के सदस्य भी रहे। लिंडसे ग्राहम अविवाहित थे और दक्षिण कैरोलिना के सेनेका में रहते थे।ग्राहम, पाकिस्तान की मंशा को लेकर हमेशा सशंकित रहे। ईरान संघर्ष में उसकी मध्यस्थता को उन्होंने कभी भी प्रशंसा नहीं की। उन्होंने उसे 'समस्याओं' से भरा और इजरायल के प्रति नकारात्मक रवैए वाला मध्यस्थ करार दिया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल न होने को भी वो गलत बताते थे। यूएस-ईरान संघर्ष के दौरान ग्राहम ने ईरानी सैन्य विमानों के पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर रखे जाने की खबरों पर भी चिंता जताई थी।

12 देशों ने दोहराया 'मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत' का संकल्प

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की अगुवाई में 12 देशों ने एक संयुक्त बयान जारी कर 'मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत' के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई है। साथ ही सभी देशों ने नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करते हुए दक्षिण चीन सागर पर वर्ष 2016 में आए ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण के फैसले को फिर से सही ठहराया। यह संयुक्त बयान उस ऐतिहासिक फैसले की 10वीं वर्षगांठ पर जारी किया गया, जो 12 जुलाई 2016 को संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत गठित मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने सुनाया था। इस फैसले में चीन के दक्षिण चीन सागर पर व्यापक समुद्री दावों को कानूनी आधारहीन बताया गया था। संयुक्त बयान पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, एस्टोनिया, जापान, लातविया, लिथुआनिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, रोमानिया, स्लोवेनिया और यूनाइटेड किंगडम ने हस्ताक्षर किए हैं। इन देशों ने कहा कि वे 'एक शांतिपूर्ण, स्थिर, नियम-आधारित और अंतरराष्ट्रीय कानून पर आधारित मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र' के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। बयान में कहा गया कि समुद्री विवादों का समाधान बल प्रयोग या दबाव के जरिए नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के अनुसार शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। देशों ने दोहराया कि 2016 का फैसला एक ऐतिहासिक और सर्वसम्मत निर्णय था, जो चीन और फिलीपींस के बीच समुद्री अधिकारों और दावों से जुड़े मामलों में अंतिम, कानूनी रूप से बाध्यकारी और निर्णायक है। संयुक्त बयान में यह भी दोहराया गया कि न्यायाधिकरण ने साफ कहा था कि दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक समुद्री दावों, खासकर तथाकथित 'ऐतिहासिक अधिकारों,' का अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कोई कानूनी आधार नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी मीडिया पर फिर निशाना साधा, फेक न्यूज का लगाया आरोप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के प्रमुख समाचार संस्थानों और द न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकारों पर तीखा हमला करते हुए अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और मीडिया पर 'फेक न्यूज' फैलाने का आरोप लगाया। वहीं, व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन (डब्ल्यूएचसीए) ने पत्रकारों को डराने-धमकाने की किसी भी कोशिश की निंदा की है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कई लंबे पोस्ट साझा करते हुए द न्यूयॉर्क टाइम्स की व्हाइट हाउस संवाददाता मैगी हैबरमैन और पत्रकार जोनाथन स्वान को निशाने पर लिया। उन्होंने अपने समर्थकों से दोनों की आने वाली किताब नहीं खरीदने की अपील भी की। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब नए एयर फोर्स वन से जुड़े सुरक्षा मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने वाले द न्यूयॉर्क टाइम्स के चार पत्रकारों को जारी समन (सबपोना) को लेकर ट्रंप प्रशासन आलोचनाओं का सामना कर रहा है। ट्रंप ने अपने एक पोस्ट में लिखा, 'मैगी हैबरमैन ने पिछले 10 वर्षों से मेरे बारे में गलत रिपोर्टिंग की है। उनकी किताब एक मजाक है। उसका 90 फीसदी हिस्सा फेक न्यूज है।' उन्होंने दावा किया कि हैबरमैन ने गलत रिपोर्टिंग के आधार पर अपना करियर बनाया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ उनकी ओर से दायर अरबों डॉलर के मुकदमे की सुनवाई के दौरान उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल ही में वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर में अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इसके अतिरिक्त अन्य कॉग्निटिव टेस्ट कराने का भी अनुरोध किया। उन्होंने लिखा, 'मैंने सभी परीक्षणों में शानदार प्रदर्शन किया। हर सवाल का सही जवाब दिया। ऐसा तीन बार करने वाला मैं इकलौता राष्ट्रपति हूं।' एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया कि उनकी चुनावी जीत इस बात का प्रमाण है कि मीडिया की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है। उन्होंने लिखा, 'सिर्फ नकारात्मक कवरेज और फेक न्यूज के बावजूद मैंने राष्ट्रपति चुनाव भारी बहुमत से जीता। इसलिए मीडिया की कोई विश्वसनीयता नहीं है।' एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने डेमोक्रेटिक नेताओं के साथ-साथ एबीसी, सीबीएस, एनबीसी, सीएनएन, द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल जैसे प्रमुख अमेरिकी न्यूज आउटलेट्स पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नकारात्मक मीडिया कवरेज उनकी राजनीतिक सफलता को रोकने में विफल रही।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का निधन

एजेंसी

दोहा। कतर फादर कहे जाने वाले शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। इसकी घोषणा कतर की सर्वोच्च सरकारी संस्था 'अमीरी दीवान' ने रविवार को की। अमीरी दीवान ने रविवार को कहा, 'ईश्वर के फैसले और नियति पर अटूट विश्वास के साथ, अमीरी दीवान राष्ट्र की इस महान क्षति पर शोक व्यक्त करता है। परमात्मा दिवंगत अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी पर अपनी कृपा बनाए रखें, जिनका आज सुबह निधन हो गया।' अमीरी दीवान ने आगे कहा, 'अल्लाह उन्हें उनके देश और अरब व इस्लामी दुनिया के लिए किए गए महान और अविस्मरणीय कार्यों का सर्वोत्तम प्रतिफल दे तथा हम सभी को इस दुख की घड़ी में धैर्य और हिम्मत प्रदान करे।' शेख हमद ने 1995 से 2013 तक कतर पर शासन किया। उन्हें देश के आधुनिक विकास का प्रमुख शिल्पकार माना जाता है। उनके शासनकाल में कतर ने आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की पहचान और प्रभाव काफी बढ़ा। उनके नेतृत्व में खाड़ी का यह देश दुनिया के सबसे समृद्ध और प्रभावशाली देशों में से एक बन गया।

जून 1995 में शेख हमद बिन खलीफा अल थानी ने बिना ब्लडलेस पैलेस कू (बिना किसी रक्तपात के महल में तख्तापलट) के माध्यम से अपने पिता शेख खलीफा बिन हमद अल थानी से सत्ता अपने हाथ में ले ली।

अपने 18 वर्षों के शासनकाल (1995-2013) के दौरान उन्होंने कतर के विशाल प्राकृतिक गैस उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की। इसके परिणामस्वरूप कतर प्रति व्यक्ति आय के आधार पर दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में शामिल हो गया। साथ ही, उन्होंने कतर की विदेश नीति को भी अधिक सक्रिय और प्रभावशाली बनाया, जिससे देश की वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और कूटनीतिक पहचान मजबूत हुई। उनके नेतृत्व में खाड़ी का यह देश दुनिया के सबसे समृद्ध और प्रभावशाली देशों में से एक बन गया। उनके 18 वर्ष के शासनकाल के दौरान कतर में कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं। इनमें 2006 एशियाई खेलों का आयोजन, 2012 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन की मेजबानी, दोहा समझौता, फतह-हमास दोहा समझौता, और 2022 फीफा विश्व कप की मेजबानी का अधिकार कतर को मिलना शामिल है। जून 2013 में उन्होंने स्वेच्छा से अपने पद से इस्तीफा (गद्दी त्याग) देकर सत्ता अपने चौथे पुत्र, शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सौंप दी, जो वर्तमान में कतर के अमीर हैं।

पीएम लक्सन ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए आधारित नई डील का किया ऐलान

एजेंसी

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूजीलैंड समेत तीन देशों का छह दिवसीय दौरा खत्म कर चुके हैं। पीएम मोदी के दौरे के खत्म होने के बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने जानकारी दी है कि न्यूजीलैंड और भारत एक नए समझौते पर सहमत हुए हैं जो हमारे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर आधारित है। पीएम लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'न्यूजीलैंड और भारत एक नई डील पर सहमत हुए हैं जो हमारे मुक्त व्यापार समझौते पर आधारित है। न्यूजीलैंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ, हमने अपने संबंधों को एक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया है, जिसमें 2030 तक हमारे देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने की योजना है। इसका मतलब है कि कीवी समुदाय में ज्यादा पैसा वापस आएगा, नौकरियां पैदा होंगी और घर पर सैलरी बढ़ेगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजकीय सम्मान के साथ उन्हें विदाई दी गई। पीएम क्रिस्टोफर लक्सन उनसे गले मिले और हाथ हिलाकर गुडबाय कहा। छह दिवसीय

आधिकारिक विदेश दौरे के आखिरी चरण में वे राजधानी ऑकलैंड पहुंचे थे। दौरा बेहद सफल रहा। 18 बड़े फैसले और 10 समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पुरानी दोस्ती, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, लोगों के बीच गहरे संबंधों और हिंद-प्रशांत में साझा हितों को देखते हुए, दोनों पीएम ने आपसी संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने का फैसला किया। इसलिए उन्होंने अगले चार सालों में मिलकर काम करने के लिए एक फ्रेमवर्क के तौर पर 'भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारीः रोडमैप टू 2030' का समर्थन किया। दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के बीच नियमित दौरे और बैठक करने पर सहमति जताई, जिसमें क्षेत्रीय और बहुपक्षीय कार्यक्रमों के दौरान होने वाली बैठकें भी शामिल हैं।

दोनों पक्षों ने 2030 तक सामान और सर्विस में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 7 बिलियन न्यूजीलैंड डॉलर या लगभग 35,000 करोड़ रुपए करने के बड़े लक्ष्य की दिशा में काम करने पर सहमति जताई।

पीएम मोदी कई अहम समारोहों का हिस्सा बने। पीएम लक्सन ने उनके सम्मान में गाला लंच का आयोजन किया, तो शाम को वह 'किआ ओरा मोदी' कार्यक्रम का हिस्सा बने। पीएम के सम्मान में प्रवासी भारतीयों का ये समारोह काफी अहम रहा। इस दौरान पीएम लक्सन ने भारतीयों की अहमियत, उनकी मेहनत और न्यूजीलैंड में उनकी भूमिका को सराहा और बताया कि कैसे देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में उनकी 9 फीसदी की हिस्सेदारी है।

वेनेजुएला भूकंप मामले में 4,333 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा, राहत कार्य के लिए लगभग 30 हजार लोग आए सामने

एजेंसी

काराकास। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप के झटकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,333 हो गई है। वहीं, राहत कार्य में मदद करने के लिए हजारों की संख्या में लोग सामने आ रहे हैं। रोड्रिगेज ने कहा कि 16,740 लोग घायल हुए हैं और 6,462 लोगों को बचाया गया है। अधिकारियों ने 18,000 से ज्यादा लोगों के लिए 94 अस्थायी कैंप बनाए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि आपदा के मुश्किल समय में पीड़ितों की मदद के लिए लगभग 30,000 स्वयंसेवक सामने आए और सरकार ने उन्हें घर बनाने और रिपेयरिंग के कामों में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। रोड्रिगेज ने कहा कि क्योंकि कई परिवार बेघर हैं, इसलिए सरकार ने एक यूनिफाइड हाउसिंग रजिस्ट्री शुरू की है, जो जनगणना और भूकंप पीड़ितों को सरकार के आदेश पर मिलने वाली वित्तीय मदद के लिए एक डेटाबेस का काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को उन लोगों को घर देने के लिए तेजी से कदम उठाने की जरूरत है जिन्होंने अपने घर हमेशा के लिए खो दिए हैं और जिन घरों को थोड़ा नुकसान हुआ है, उन्हें ठीक करने की जरूरत है। रोड्रिगेज ने कहा कि सरकार जब तक पक्के घर बन रहे हैं, तब तक सिंगल-फैमिली ट्रांजिशनल हाउसिंग वाले कैंप लगाने का भी प्लान बना रही है

।'उन्होंने आगे कहा कि नेशनल असेंबली रेंटल लॉ में सुधार करने और भूकंप से प्रभावित परिवारों को घर खरीदने में मदद करने के लिए क्रेडिट और सब्सिडी सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ेगी। अमेरिका और दूसरे देशों के आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से विदेश में जमा वेनेजुएला के फंड के बारे में, रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अलग-अलग सरकारों को चिट्ठी भेजकर उन एसेट्स को रिलीज करने की अपील की है।

कनाडा के स्ट्रीट फेस्टिवल में मास शूटिंग की घटना आई सामने, दो लोगों की मौत और तीन घायल

एजेंसी

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में एक स्ट्रीट फेस्टिवल के पास हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, घटना के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी। फायरिंग शनिवार (स्थानीय समय) को एक ऐसे इलाके में हुई, जहां पॉपुलर साल्सा ऑन सेंट क्लेयर फेस्टिवल चल रहा था। कार्यक्रम में वार्षिक लैटिनो-थीम वाले सांस्कृतिक समारोह के लिए बड़ी भीड़ जमा हो रही थी। टोरंटो पुलिस ने शुरू में एक एक्टिव शूटर की चेतावनी देते हुए अलर्ट जारी किया और लोगों और आगंतुकों से उस इलाके से दूर रहने को कहा। अधिकारी घटना के खिलाफ कार्रवाई कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, सेंट क्लेयर एवेन्यू वेस्ट और अर्लिंग्टन एवेन्यू के चौराहे के पास, सेंट क्लेयर फेस्टिवल पर साल्सा की जगह के पास गोली लगने

से पांच लोग घायल मिले।

इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स मौके पर पहुंचे जबकि पुलिस ने एक सुरक्षा घेरा बनाया और लोगों को सलाह दी कि जब तक हालात काबू में नहीं आ जाते, तब तक वे उस जगह से दूर रहें। अधिकारियों ने बाद में कन्फर्म किया कि घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया है। हालांकि, ताजा अपडेट के समय तक किसी गिरफ्तारी के बारे में कोई जानकारी जारी नहीं दी गई।जैसे ही इन्वेस्टिगेटर ने उन हालात की जांच शुरू की जिनकी वजह से गोलीबारी हुई, आसपास के इलाके में सुरक्षा के उपाय काफी बढ़ा दिए गए। सेंट क्लेयर पर साल्सा टोरंटो के खास लैटिनो-थीम वाले सांस्कृतिक त्योहारों में से एक है, जो हर साल हजारों विजिटर्स को संगीत, नृत्य, भोजन और सामुदायिक कार्यक्रमों के साथ आकर्षित करता है। यह नई घटना पिछले महीने के आखिर में मॉन्ट्रियल में हुई एक और जानलेवा फायरिंग के कुछ ही हफ्ते बाद हुई है। इस घटना में एक हमलावर के गोली चलाने से एक पुलिस ऑफिसर समेत दो लोगों की जान चली गई थी। हमलावर को बाद में पुलिसवालों ने गोली मार दी थी। मॉन्ट्रियल की घटना के सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में पुलिस अधिकारियों और ऑलिव कलर की जैकेट और कार्गो पैंट पहने एक लंबी बंदूक लिए हुए व्यक्ति के बीच गोलीबारी होती दिखी। फुटेज में टकराव के दौरान एक आम नागरिक और कम से कम एक पुलिस अधिकारी को गोली लगते हुए दिखाया गया, जबकि ऑलिव कलर के कपड़े पहने व्यक्ति को भी पुलिस की गोली लगी, जब वे अपनी बंदूक को एडजस्ट या रीलोड कर रहे थे।

ओमान और ईरान होर्मुज स्ट्रेट नेविगेशन पर बातचीत जारी रखने को लेकर हुए सहमत

एजेंसी

मस्कट। ओमान और ईरान होर्मुज स्ट्रेट से नेविगेशन को लेकर तकनीकी और राजनीतिक बातचीत जारी रखने पर सहमत हो गए हैं। ओमान न्यूज एजेंसी की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए दोनों पक्षों ने मस्कट में स्ट्रेट में सुरक्षा और नेविगेशन की आजादी सुनिश्चित करने पर बातचीत की। सिन्हुआ ने ओमान न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक जरूरी समझौते तक पहुंचने के मकसद से दोनों स्तर पर बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची होर्मुज स्ट्रेट पर सलाह-मशविरा के लिए ओमान जाएंगे।यह बातचीत अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच हुई है। यह हमले होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों पर ईरानी हमलों के आरोप के बाद हुए थे। फरवरी के आखिर में ईरान पर अमेरिका-इजरायली हमलों के बाद, तेहरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर दिया। यह एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग पांचवां समुद्री तेल का व्यापार होता है। इससे इजरायली और अमेरिका से जुड़े जहाजों के सुरक्षित आने-जाने पर रोक लग गई है। ईरान और ओमान जून में इस बात पर सहमत हुए थे कि वे अपने विदेश मंत्रालयों के बीच एक जॉइंट वर्किंग ग्रुप के जरिए बातचीत जारी रखेंगे ताकि स्ट्रेट में नेविगेशन और उससे जुड़ी समुद्री सेवाओं के भविष्य के प्रबंधन को लेकर एक समझ बन सके। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन ईरान के साथ बातचीत जारी रखने पर सहमत हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि सैन्य हमलों में तेजी के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर खत्म हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने हमसे 'बातचीत' जारी रखने को कहा है। हम ऐसा करने के लिए राजी हो गए हैं, लेकिन अमेरिका ने उन्हें साफ-साफ बता दिया है कि सीजफायर खत्म हो गया है!' बयान में कहा गया कि पिछले महीने बातचीत के जरिए सीजफायर का जो स्ट्रक्चर बनाया गया था, उसके खत्म होने के बावजूद कूटनीतिक संपर्क जारी रहेंगे।

बालेन्द्र सरकार के खिलाफ छात्र संगठनों का प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू एक व्यक्ति के दिनदहाड़े आत्महत्या किए जाने के मामला तुल पकड़ता जा रहा है। इस घटना के विरोध में काठमांडू में छात्र संगठनों ने रविवार सुबह से ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया है। काठमांडू के मैतीघर मण्डला में कई छात्र संगठनों ने संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया है। यह प्रदर्शन मुगु जिले के 25 वर्षीय गणेश नेपाली की मौत के विरोध में किया गया, जिन्होंने स्वयं को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया था और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। प्रदर्शनकारियों ने जब मैतीघर से आगे मार्च करने की कोशिश की, तो पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर के लिए धक्का-मुक्की हुई। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। हालांकि, थोड़ी देर की तनातनी के बाद स्थिति सामान्य हो गई। गणेश नेपाली ने शुक्रवार को काठमांडू के ही त्रिपुरेश्वर स्थित पासपोर्ट विभाग के बाहर अपने ऊपर पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली थी। इस घटना के बाद एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें काठमांडू महानगर पुलिस और गणेश नेपाली के बीच उनकी मोटरसाइकिल पर लगाए गए व्हील लॉक को लेकर विवाद होता दिखाई दे रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि महानगर पुलिस ने नेपाली के मोटरसाइकिल पर बैठे रहने के दौरान ही उस पर व्हील लॉक लगा दिया था।

ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए हमले, कतर के अल उदीद एयरबेस पर दागे बैलिस्टिक मिसाइल

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर खाड़ी देशों पर भी दिखाई देने लगा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने कतर स्थित अल उदीद एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इसके अलावा, आईआरजीसी ने कहा कि उसने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस पर भी कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने संबंधित एयरबेस पर स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और एमक्यू-9 ड्रोन रखने वाले हैंगर को नष्ट कर दिया।

आईआरआईबी के अनुसार, ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमलों की एक लहर शुरू की। ईरानी सेना ने कुवैत में अमेरिकी सेना के पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, एक एम्युनिशन डिपो और एक रडार साइट को निशाना बनाने के लिए विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल किया। उसने कहा कि ड्रोन हमलों की एक और लहर ने बहरीन में एक अमेरिकी संचार प्रणाली और रडार साइट को निशाना बनाया। ये हमले दक्षिणी ईरान के इलाकों पर अमेरिका के लगातार हमलों के जवाब में किए गए थे। ईरान के दावे के अनुसार, उसने कतर के अल उदीद एयरबेस को भी बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया। बेस पर एक फाइटर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस और रिपेयर

सेंटर, साथ ही एक कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर को भी नष्ट कर दिया। हालांकि, कतर के रक्षा मंत्रालय ने पहले कहा था कि उसने कतरी इलाके को निशाना बनाकर किए गए एक मिसाइल हमले को रोक दिया। आईआरजीसी ने ओमान के दुकम पोर्ट पर अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले लॉजिस्टिक्स सपोर्ट सेंटर और रिफ्यूलिंग प्लेटफॉर्म पर भारी और अचानक हमले का भी दावा किया। आईआरजीसी के पब्लिक रिलेशन ऑफिस ने बताया कि हमले में ये जगहें नष्ट हो गईं।

इसने ओमान पर हुए हमलों को अमेरिकी बमबारी के जवाब का तीसरा फेज बताया।

संयुक्त अरब अमीरात की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, उसके एयर डिफेंस ईरान से आने वाली मिसाइलों और ड्रोन हमलों से सक्रिय रूप से लड़ रहे हैं।

देश के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश भर में सुनाई देने वाले धमाके उसके डिफेंस सिस्टम द्वारा मिसाइलों और ड्रोन को रोकने की आवाज हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान के दक्षिणी-पश्चिमी कोस्ट पर खुजेस्तान प्रांत के बंदर-ए-महशहर में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है कि शहर पर कोई हमला हुआ है या नहीं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने कहा है कि एयर रेड सायरन एक्टिव कर दिए गए हैं। इसमें कहा गया, 'नागरिकों और निवासियों से शांत रहने और सबसे पास की सुरक्षित जगह पर जाने की अपील की जाती है।'

page 1 and 8 July 13_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/13/2026 12:39 AM Page 2

राजौरी में डीसी ने पीएम फसल बीमा योजना एवं एग्रीस्टैक शिविर का किया निरीक्षण

राजौरी, 12 जुलाई। उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने आज केकेजी नाडियन में आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) एवं एग्रीस्टैक जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र सरकार की इन प्रमुख योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा किसानों तक पहुंच का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने किसानों की जागरूकता, लामबंदी, पंजीकरण तथा पीएम फसल बीमा योजना एवं एग्रीस्टैक के तहत उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने किसानों से बातचीत कर फसल बीमा, किसान पंजीकरण, कृषि आदानों की उपलब्धता तथा विभागीय सेवाओं के संबंध में प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अग्रिम प्रचार-प्रसार, किसानों की भागीदारी, विभागों के बीच समन्वय तथा क्षेत्रीय स्तर के कर्मचारियों में जागरूकता से जुड़ी कुछ कमियां पाईं। इन कमियों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने तथा भविष्य में शिविरों का बेहतर समन्वय, प्रभावी योजना और परिणामोन्मुख तरीके से आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कृषि एवं संबद्ध विभागों को गांव स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर अग्रिम प्रचार-प्रसार मजबूत करने, पंचायती राज संस्थाओं एवं क्षेत्रीय कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, किसानों को पीएम फसल बीमा योजना एवं एग्रीस्टैक पंजीकरण संबंधी उचित मार्गदर्शन देने तथा सभी पात्र लाभार्थियों का समयबद्ध पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने किसानों द्वारा उठाई गई शिकायतों का सत्यापन कर समयबद्ध तरीके से उनका समाधान करने तथा कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। किसान केंद्रित प्रशासन पर जोर देते हुए उपायुक्त ने कहा कि ऐसे शिविर केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनके माध्यम से व्यापक जागरूकता, अधिकतम किसान पंजीकरण, एग्रीस्टैक के तहत सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तथा पीएम फसल बीमा योजना के व्यापक कवरेज जैसे ठोस परिणाम सामने आने चाहिए, ताकि किसानों को सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके।

वनों से ही नदियां रहेंगी सदानीरा : मुख्यमंत्री

वृक्षों के अंधाधुंध कटान से हो सकता है जल और खाद्यान्न संकट : मुख्यमंत्री

ताल रिंग रोड के किनारे सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया पौधरोपण*

गोरखपुर, 12 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को पौधरोपण की महत्ता समझाते हुए कहा कि एक वृक्ष अपने भीतर हजारों लीटर जल का अवशोषण करके रखता है। नदियां वहीं सदानीरा होती हैं, जहां वन या अधिक संख्या में वृक्ष होते हैं। यदि वृक्षों की अंधाधुंध कटान होगी तो जल की कमी से खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है।

मुख्यमंत्री रविवार को पौधरोपण महायज्ञ 2026 के अंतर्गत आरकेबीके के समीप ताल रिंग रोड के किनारे मौलश्री का पौधा लगाने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण असंतुलन से वर्षा चक्र का अंतर बढ़ता है और इसका प्रतिकूल असर अन्नदाता किसान के लिए संकट पैदा करता है। बड़े पैमाने पर पेड़ों के कटान से पेयजल का संकट और सूखे की स्थिति बनती है। पर्यावरण संतुलन रखने के लिए अपने दायित्व का निर्वहन करने को हर नागरिक को 'एक पेड़ मां के नाम' थीम को समर्पित पौधरोपण महाभियान से जुड़ना होगा। हर व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ ही उसकी सुरक्षा का संकल्प भी लेना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष एक ही दिन में सरकार ने 35 करोड़ पौधरोपण करने का लक्ष्य तय किया है। लक्ष्य बड़ा भले हो, लेकिन यूपी जैसे राज्य जहां 57 लाख से अधिक नर्सरियां हैं, के लिए यह मुश्किल नहीं है। पौधरोपण महाभियान में औषधीय, फलदार, छायादार, इमारती हर तरह के पौधे लगाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने हर वर्ष पौधरोपण के बड़े अभियान को आगे बढ़ाया है और पौधों की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की है। इसी का परिणाम है कि सर्वे में वनाच्छादन का विस्तार स्पष्ट दिखाई देता है। कृतज्ञता ज्ञापन भारतीय संस्कृति की पहचान है। व्यापक पौधरोपण के जरिये हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर वर्तमान और भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं।

ताल रिंग रोड के किनारे पौधरोपण करने के बाद मुख्यमंत्री ने रामगढ़ताल की खूबसूरती को निहारा और सेल्फी भी ली। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता सहित कई पार्षद भी उपस्थित रहे।

स्थानीय समाचार

15 जुलाई से गुरु अस्त, जम्मू में विवाह समेत मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। जम्मू में विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों की तैयारी कर रहे परिवारों के लिए महत्वपूर्ण ज्योतिषीय जानकारी सामने आई है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि वर्ष 2026 में गुरु ग्रह 15 जुलाई की सायं 7:27 बजे अस्त होगा और 9 अगस्त की रात्रि 9:54 बजे उदित होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गुरु और शुक्र के अस्त रहने की अवधि में विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत, शिलान्यास, शपथ ग्रहण तथा अन्य मांगलिक संस्कार नहीं किए जाते जबकि शुभ मुहूर्त में सगाई जैसे कार्यक्रम संपन्न किए जा सकते हैं।

महंत शास्त्री ने बताया कि जम्मू-कश्मीर सहित हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में वर्ष 2026 के लिए विवाह के शुभ मुहूर्त अगस्त, सितंबर, नवंबर और दिसंबर में उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 12 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक शुक्र अस्त रहेगा जिसके दौरान भी विवाह जैसे शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। उन्होंने कहा कि विवाह के लिए केवल तिथि का चयन पर्याप्त नहीं होता बल्कि वार, नक्षत्र, योग, करण और लग्न का भी विशेष महत्व होता है। इसलिए विवाह की तिथि तय करने से पहले वर-वधू की कुंडली मिलान और ग्रह दशाओं का विचार अवश्य करना चाहिए।

महंत शास्त्री ने अभिभावकों और विवाह योग्य युवक-युवतियों से समय रहते शुभ मुहूर्त की जानकारी लेकर विधि-विधान के अनुसार विवाह संस्कार संपन्न करने की अपील की।

सलाल डैम के गेट खुलने से चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना, प्रशासन ने किया अलर्ट जारी

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच सलाल डैम के गेट खोल दिए गए हैं। डैम से पानी छोड़े जाने के कारण चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना है जिससे नदी किनारे के इलाकों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

प्रशासन ने चिनाब नदी के किनारे बसे सभी गांवों के लोगों से अपील की है कि वे नदी के पास जाने से बचें और अपने मवेशियों को भी नदी किनारे चराने के लिए न ले जाएं। लगातार हो रही बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है जिससे जान-माल का खतरा उत्पन्न हो सकता है। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर अलर्ट जारी कर दिया है और संबंधित अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस ने 9 गोवंशीय पशुओं को कराया सुरक्षित, ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़ चालक फरार

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। बिश्नाह पुलिस ने अवैध रूप से ले जाए जा रहे 9 गोवंशीय पशुओं को सुरक्षित बचाते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार थाना बिश्नाह की टीम ने रत्नाल से रिंग रोड के रास्ते मीरां साहिब की ओर जा रहे बिना पंजीकरण नंबर वाले लाल रंग के स्वराज ट्रैक्टर-ट्रॉली को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान ट्रॉली में 9 गोवंशीय पशु जिनमें 2 गाय और 7 बैल शामिल थे पाए गए। पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने सभी पशुओं को सुरक्षित कब्जे में लेकर बचा लिया है। मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और फरार चालक की तलाश के साथ आगे की जांच जारी है।

सीएमओ डोडा ने पीएचसी अस्सर का औचक निरीक्षण किया

डोडा, 12 जुलाई। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कर्मचारियों की समयपालन व्यवस्था तथा स्वास्थ्य संस्थान के समग्र कार्य संचालन का आकलन करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. विनोद शर्मा ने आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) अस्सर का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया, कर्मचारियों की उपस्थिति की समीक्षा की, सरकारी अभिलेखों की जांच की तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का आकलन किया।

अनंतनाग में बादल फटने से प्रभावित क्षेत्रों का एडीसी ने किया दौरा

अनंतनाग, 12 जुलाई। अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (एडीसी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) अनंतनाग, विकास आहलावत ने आज पहलगाम के सल्लार क्षेत्र के आवूरा तथा बादल फटने से प्रभावित अन्य इलाकों का दौरा किया।

दौरे का उद्देश्य घटना से हुए नुकसान का आकलन करना तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे बहाली कार्यों में तेजी लाना था।

एडीसी के साथ तहसीलदार सल्लार के अलावा जल शक्ति विभाग, लोक निर्माण विभाग (आर एंड बी), विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अभियंता भी मौजूद रहे।

दौरे के दौरान एडीसी ने प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर निरीक्षण किया, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक सुविधाओं तथा आसपास के इलाकों को हुए नुकसान का जायजा लिया और समग्र स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को चल रहे राहत एवं बहाली कार्यों में तेजी लाने, मलबा हटाने तथा आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर बहाल करने के निर्देश दिए।

विकास आहलावत ने स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की और संबंधित अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी लाइन विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखते हुए पेयजल, सड़क संपर्क तथा बिजली जैसी आवश्यक सेवाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि आम जनता को होने वाली असुविधा को कम किया जा सके।उल्लेखनीय है कि जल शक्ति विभाग, लोक निर्माण विभाग (आर एंड बी), विद्युत विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी और मशीनरी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार कार्यरत हैं। जिला प्रशासन ने आवश्यक सेवाओं की शीघ्र बहाली के लिए सभी संसाधनों को सक्रिय कर दिया है।

सेना के इंटर विलेज टी-10 टूर्नामेंट में गढ़ी क्रिकेट क्लब बना चैंपियन

जम्मू, 12 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना द्वारा ज्योड़ियाँ क्षेत्र में आयोजित इंटर विलेज टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र की 16 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में गढ़ी क्रिकेट क्लब ने करंगी क्रिकेट क्लब को 12 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गढ़ी क्रिकेट क्लब ने 10 ओवर में 99 रन बनाए जबकि लक्ष्य का पीछा करने उतरी करंगी क्रिकेट क्लब की टीम 87 रन ही बना सकी। समापन समारोह में विधायक मोहन लाल भगत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार वितरित किए। विधायक ने भारतीय सेना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने, सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हैं।

साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 12 जुलाई। साहिब बंदगी के सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने आज राँजड़ी, जम्मू में अपने प्रवचनों की अमृतवर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि हमारे शरीर की बहुत कमियाँ हैं। इस ब्रह्माण्ड में जो भी है, वो भ्रमित है। इस दुनिया को साहिब ने पागलखाना कह दिया। आत्मा यहाँ बंधी हुई है। आत्मा यहाँ इस पंच भौतिक शरीर में बंधी हुई है। रामायण में प्रसंग आता है कि सबसे बड़ा ज्ञान ही आत्मज्ञान है। इससे बड़ा कोई भी ज्ञान नहीं है। अपनी आत्मा को जानना है। अज्ञान इस संसार की आत्मा है। इसलिए इस संसार में सब अज्ञान में जीते हैं। अगर मैं पूरे तत्व ज्ञान की बात करूँगा तो मैं पागल लगूँगा। क्योंकि कोई समझ ही नहीं पायेगा। आप एक शरीर में नहीं हैं कि आप निकल जाएँ। आप कई शरीरों में बंधे हैं। आप एक अवस्था में नहीं हैं। आप हम सब कई अवस्थाओं में बंधे हुए हैं। पहले तो आप स्थूल शरीर में बंधे हैं, जिसको आप ठीक ठीक से जानते हैं। इसको जाग्रत अवस्था कहते हैं। यह विकारों से भरा है। आदमी इंद्रियों के अधीन है। दूसरा-सूक्ष्म शरीर है। यह शरीर नींद में मिलता है। सपना देखने वाले आप ही होते हैं। कभी आदमी सोच नहीं रहा है। सपने में आदमी बुद्दू बन जाता है। नींद की अवस्था महा अज्ञान की अवस्था है। मनुष्य अपने जीवन का तीसरा हिस्सा सोकर गुजारता है। नींद में वो वो काम होते हैं, जो हम जागने पर कभी नहीं कर सकते हैं। उस अवस्था में भी सुख-दुख का आभास वैसे ही होता है। आदमी चाहकर भी उस अवस्था से निकल नहीं पाता है। कुछ नींद में रोते भी हैं, कुछ नींद में डरते भी हैं, कुछ खुश होते हैं। कभी आदमी ने नींद पर सोचा नहीं। एक चक्र घूमता है। जब वो चक्र पूरा होता है तो आप नींद में पहुँच जाते हैं। नींद में सब सच्चा लगता है। जब आप जागते हैं तो कहते हैं कि यह तो सपना था। जैसे नींद एक सपने की तरह है, झूठ अवस्था है, ऐसे ही जाग्रत अवस्था भी सपने की तरह है। नींद में हमारी चेतना, हमारी होश 16 गुणा कम हो जाती है। शास्त्रानुसार 2 लोगों ने नींद जीती थी। एक लक्ष्मण और एक अर्जुन। साहिब कह रहे हैं कि नींद में मत जाओ। नींद एक अज्ञान की अवस्था है। जब हमारी सूक्ष्म अवस्थाएँ थक जाती हैं तो काम नहीं करती हैं, तब आपकी नींद की कोशिकाएँ जगती हैं। आप लेट जाते हैं। आपको नींद आ जाती है और आप सपने की दुनिया में पहुँच जाते हैं। नींद में आदमी मृतक के समान है। जब नींद वाली कोशिकाएँ थक जाती हैं तो आप जाग जाते हैं। इस तरह तीसरी अवस्था है, जिसमें आत्मा घूमती है, वो है महाकारण। तब आत्मा का वास नाभि चक्र में पहुँच जाती है। जागने पर आत्मा का वास आँखों में होता है। नींद की अवस्ता में कंठ के पास छोटी सी कोशिका है, उसमें इंसान चला जाता है। शरीर की पूरी चेतना का सिमटाव उसमें हो जाता है। वो रोम से भी हजार गुणा अत्यंत सूक्ष्म कोशिका है। तीसरी महाकारण अवस्था अत्यंत अज्ञानमय अवस्था है। कभी कभी इंसान उसमें चला जाता है। जब उस अवस्था में पहुँच जायेंगे तो जागने के बाद भी होश नहीं होगा। थोड़ी देर के बाद होश आयेगा। यह सब कोशिकाओं का खेल है। डाक्टर लोग जानते हैं थोड़ा सा। जब आप्रेशन करना होता है तो उस अवस्था में ले जाया जाता है। उसमें होश नहीं होता है। पर उसमें हमेशा नहीं जाता है। वो कोशिकाएँ सोई रहती हैं। कभी कभी जागती हैं। फिर चौथी ज्ञान अवस्था है। जब पहुँचता है तो हमेशा जागता है। नींद पर विजय पा लेता है। इसको समाधि अवस्था भी कहते हैं। पर यह बहुत भ्रमाक अवस्था है। आप एक बेहोशी में पड़े रहेंगे। न सपना आयेगा, न कुछ। कैवल्य अवस्था में आप संसार को सपना देखने लगेंगे। संकल्प विकल्प आपके अधीन होते जायेंगे।

पुंछ में डीसी ने श्री बूढ़ा अमरनाथ जी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

पुंछ, 12 जुलाई। उपायुक्त पुंछ अशोक कुमार शर्मा ने आज मंडी स्थित श्री बूढ़ा अमरनाथ जी मंदिर परिसर के सभागार में आगामी श्री बूढ़ा अमरनाथ जी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि यात्रा के पिछले आयोजनों के दौरान सामने आई सभी कमियों को इस वर्ष दूर किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस तथा सभी संबंधित विभागों की यात्रा को सफल बनाने में निरंतर सहयोग एवं समर्पित प्रयासों की सराहना की।

बैठक में यात्रा के शांतिपूर्ण, सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने यात्रा प्रबंधन को और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव दिए तथा विभिन्न आवश्यक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

बैठक में सड़क संपर्क, पेयजल, बिजली, स्वच्छता, शौचालय, लंगर व्यवस्था, वाहन पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक जनसुविधाओं को सुदृढ़ बनाने पर विशेष चर्चा हुई।

उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी कमियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को अपनी जिम्मेदारियां समय से पहले पूरी करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से यात्रा का सफल एवं सुगम संचालन सुनिश्चित होगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शफकत हुसैन भट ने भरोसा दिलाया कि यात्रा के सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने आम जनता से यात्रा के सफल आयोजन में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त ताहिर मुस्तफा मलिक, सहायक आयुक्त (राजस्व) मोहम्मद सईद, जिला प्रशासन, पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी, श्री बूढ़ा अमरनाथ प्रबंधन समिति के सदस्य तथा मंडी क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।